दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-7 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 26 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'मनुष्य की असली पहचान उसके शब्दों में नहीं, उसके व्यवहार में दिखाई देती है। क्योंकि शब्द किसी भी क्षण बदल सकते हैं, पर व्यवहार वही बदलता है, जब भीतर की सोच और चरित्र बदल जाए।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

बेटी की शादी में गई,पड़ोसियों ने घर पर किया कब्जा : 12 साल बाद मिला न्याय

भीम प्रज्ञा न्यूज

जोधपुर । सिरोही जिले के आबू रोड की एक महिला को अपनी ही जमीन वापस पाने के लिए 12 साल तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। मामला इतना हैरान करने वाला था कि जब महिला अपनी बेटी की शादी के लिए शहर से बाहर गई, तो पीछे से पड़ोसियों ने उसके मकान का ताला तोड़कर घर पर कब्जा कर लिया। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस कुलदीप माथुर ने इस मामले में अब सख्त फैसला सुनाते हुए कब्जाधारियों की अपील खारिज कर दी है। साथ ही उन्हें तुरंत मकान खाली करने और हर्जाना भरने का आदेश दिया है।

हाईकोर्ट का आदेश- मकान खाली करो और हर्जाना भी भरो

17 दिन में लौटी, तो घर पर दिखा पड़ोसियों का कब्जा

यह विवाद आबू रोड के किवरली गांव का है। हुलसी देवी (वादी) ने 2 मार्च 1989 को सरदारसिंह से 652.5 वर्ग फीट का एक प्लॉट और मकान खरीदा था। सरदार सिंह ने यह जमीन अपने भाई लक्ष्मणसिंह के साथ हुए बंटवारे के बाद अपने हिस्से से बेची थी।? सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन जुलाई 2011 में एक घटना ने हुलसी देवी की जिंदगी बदल दी। 2 जुलाई 2011 को वह अपनी बेटी की शादी के सिलसिले में आबू रोड से बाहर गई थीं। पीछे से सरदारसिंह की विधवा मीठा बाई और उनके बेटों (जसवंतसिंह और भरतसिंह) ने मौके का फायदा उठाया। उन्होंने हुलसी देवी के घर के ताले तोड़कर जबरन कब्जा कर लिया।? जब 19 जुलाई 2011 को हुलसी देवी वापस लौटीं, तो देखा कि उनके घर पर दूसरों का राज है। उन्होंने कब्जा छोड़ने की विनती की, लेकिन आरोपी नहीं माने। उल्टा, आरोपियों ने हुलसी देवी के पति के खिलाफ कोर्ट से एकतरफा स्टे भी ले लिया।?

निचली अदालत का फैसला

हुलसी देवी ने हार नहीं मानी और 2012 में सिविल सूट दायर किया। उन्होंने मांग की कि कब्जा हटाया जाए और उन्हें हर्जाना मिले। आरोपियों ने कोर्ट में दलील दी कि सरदारसिंह और लक्ष्मणसिंह के बीच कभी बंटवारा हुआ ही नहीं था, इसलिए सरदारसिंह को जमीन बेचने का हक ही नहीं था। उन्होंने हुलसीदेवी की रजिस्ट्री (Sale Deed) को भी फर्जी बताया।?

अक्टूबर 2024 में आबू रोड की एडीजे कोर्ट ने हुलसी देवी के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट ने माना कि रजिस्ट्री असली है और कब्जा अवैध है।?

कोर्ट की टिप्पणीः भाई ने खुद दी थी एनओसी

मीठा बाई के वारिसों (अपीलार्थी) ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उनके वकील ने तर्क दिया कि संपत्ति पैतृक थी और बिना बंटवारे के बेची गई थी।? दूसरी ओर, हुलसी देवी के वकील ने कोर्ट को बताया कि रजिस्ट्री 30 साल पुरानी (1989 की) है और कानूनन 30 साल पुरानी रजिस्टर्ड डीड को सही माना जाता है। उन्होंने यह भी साबित किया कि बिजली का बिल हुलसी देवी के नाम पर आता था, जो उनके कब्जे का सबूत था।?

जस्टिस कुलदीप माथुर ने पत्रावली देखने के बाद पाया कि सरदार सिंह के भाई लक्ष्मणसिंह ने अपनी गवाही में संपत्ति बेचने पर 'अनापत्ति' दी थी। कोर्ट ने कहा- 'केवल पट्टा संयुक्त होने से यह साबित नहीं होता कि संपत्ति पैतृक है, खासकर जब विभाजन के सबूत मौजूद हों।' 'प्रतिवादियों ने महिला की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर मकान पर अवैध कब्जा किया और तोड़फोड़ की, जो साबित हो चुका है।' 'निचली अदालत ने जब प्रतिवादियों का काउंटर-क्लेम खारिज किया, तो उन्होंने उसके खिलाफ अपील नहीं की। अब वे इस मुद्दे को दोबारा नहीं उठा सकते।' 'रजिस्टर्ड सेल डीड की वैधता को चुनौती देने के लिए प्रतिवादियों ने 2012 तक (23 साल तक) कोई कदम नहीं उठाया। अब वे इसे फर्जी नहीं कह सकते।' कोर्ट ने एडीजे कोर्ट, आबूरोड के 7 अक्टूबर 2024 के फैसले को सही ठहराते हुए मीठा बाई के वारिसों की अपील खारिज कर दी है। अब प्रतिवादियों को न केवल मकान खाली करना होगा, बल्कि अवैध कब्जे के दौरान हुए नुकसान और 'मीन प्रॉफिट' (संपत्ति के उपभोग का किराया) भी हुलसी देवी को देना होगा।

क्रेडिट कार्ड स्किमिंग-क्लोनिंग पर एसपी सिद्धांत जैन की कड़ी चेतावनी

नागरिकों को सतर्क रहने, मशीनों की जाँच करने और डिजिटल सुरक्षा आदतें अपनाने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । आधुनिक तकनीक ने जहाँ जीवन को अधिक सुविधाजनक और तेज बनाया है, वहीं साइबर अपराधी भी लगातार नए तरीकों से नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। हाल ही में क्रेडिट और डेबिट कार्ड की स्किमिंग और क्लोनिंग की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है, विशेष रूप से पेट्रोल पंप, रेस्तरां, शॉपिंग मॉल, होटल और एटीएम मशीनों पर ऐसे मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने नागरिकों को जागरूक करने हेतु विस्तृत साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है, जिसमें ऐसे अपराधों से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय साझा किए गए हैं। स्किमिंग वह प्रक्रिया है जिसमें अपराधी एक विशेष उपकरण की मदद से कार्ड की चुंबकीय पट्टी (Magnetic Stripe) से डेटा चुरा लेते हैं। यह उपकरण अक्सर एटीएम, पीओएस मशीन या पेट्रोल पंप की मशीनों पर गुप्त रूप से लगाया जाता है। वहीं क्लोनिंग, स्किमिंग से प्राप्त डेटा का उपयोग कर नकली कार्ड (क्लोन कार्ड) बनाने की प्रक्रिया है, जिससे अपराधी आपकी जानकारी के बिना आपके अकाउंट से धनराशि निकाल सकते हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने नागरिकों को कार्ड सुरक्षा के लिए कई महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि एटीएम या पीओएस मशीन का प्रयोग करने से पहले उसके कार्ड स्लॉट और कीपैड की ठीक से जाँच अवश्य करें। किसी भी ढीले, असमान या संदिग्ध उपकरण लगे होने पर मशीन का उपयोग न करें। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपना कार्ड किसी भी अजनबी या कर्मचारी को न सौंपें और स्वाइप हमेशा स्वयं करें। वायरलेस डेटा चोरी से बचने के लिए RFID ब्लॉकिंग वॉलेट का उपयोग करने की सलाह भी दी गई है।

ऑनलाइन खरीदारी केवल प्रमाणिक और 'HTTPS' आधारित वेबसाइटों से करने की अपील की गई है। साथ ही टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन

(wFA) और OTP सुविधा को हमेशा सक्रिय रखने को कहा गया है, जिससे हर लेन-देन पर आपकी अनुमति अनिवार्य हो जाती है। पिन डालते समय कीपैड को ढकना, अपने बैंक खाते पर SMS और ईमेल अलर्ट सक्रिय रखना तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत बैंक और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराना आवश्यक बताया गया है। इसके अतिरिक्त, कार्ड को सार्वजनिक स्थानों पर अधिक देर तक न छोड़ें और इंटरनेट पर मौजूद फर्जी कस्टमर केयर नंबरों से अत्यधिक सतर्क रहें। हमेशा केवल आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नंबरों का ही उपयोग करें। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा , 'साइबर अपराधी अब बेहद पेशेवर और तकनीकी रूप से दक्ष हो चुके हैं। एक छोटी-सी लापरवाही भी आपके बैंक खाते को खाली कर सकती है। सतर्कता, जागरूकता और डिजिटल अनुशासन ही इस प्रकार के धोखाधड़ी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।'

पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी डिजिटल और वित्तीय सुरक्षा के प्रति हमेशा जागरूक रहें। पुलिस समय-समय पर साइबर जागरूकता अभियानों के माध्यम से आमजन को शिक्षित करती रहेगी। यदि कोई व्यक्ति किसी साइबर धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो 24 घंटे के भीतर 1930 पर कॉल कर शिकायत अवश्य दर्ज कराए, जिससे राशि की रिकवरी की संभावना बढ़ जाती है।

फतेहाबाद जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने जिले के गांव खजूरी जाटी में रात्रि प्रवास के दौरान सुनी ग्रामीणों की समस्याएं व किया समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास तथा पारदर्शिता को मजबूत करने के उद्देश्य से उपमंडल फतेहाबाद के गांव खजूरी जाटी में आयोजित रात्रि प्रवास कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती और पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने ग्रामीणों की समस्याओं को विस्तार से सुना और तत्काल समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। रात्रि प्रवास कार्यक्रम के दौरान मौके पर ही बंसी लाल का राशन कार्ड बनाते हुए उपायुक्त ने उसकी प्रति लाभार्थी को सौंपी। राशन कार्ड बनने पर लाभार्थी बंसी लाल ने जिला प्रशासन और हरियाणा सरकार का धन्यवाद भी किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं को जिला प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष रखा। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य गांव-गांव जाकर आमजन की वास्तविक जरूरतों को समझना और समाधान को सुलभ

बनाना है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और समाधान की स्थिति से शिकायतकर्ताओं को अवगत कराया जाए। रात्रि प्रवास के दौरान उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय कर्मचारियों से सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, पेंशन योजनाओं, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से संबंधित सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हैं, इसलिए प्रत्येक परिवार को विभागों से संपर्क कर इन योजनाओं का लाभ अवश्य लेना चाहिए। इस दौरान लगभग 50 शिकायतें जिला प्रशासन के संज्ञान में आईं, जिनमें राशन कार्ड बनवाने, पीपीपी में आय कम करवाने, पेयजल व बिजली आपूर्ति, सड़कों की मुरम्मत, मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता एवं ऋण उपलब्ध करवाने, बस सुविधा शुरू करवाने, अवैध कब्जे हटवाने, कच्चे खाल को पक्का करवाने आदि जैसी मांगें शामिल रही। गांव के सरपंच सीताराम पूनिया ने उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों का गांव पहुंचने पर स्वागत किया। उन्होंने पंचायत की ओर से कई विकास संबंधी मांगें रखीं। उपायुक्त ने सभी मांगों को सकारात्मक रूप से लेते हुए नियमानुसार जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में हुआ हर्निया का सफल ऑपरेशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय जिला चिकित्सालय मे डॉ. लालू प्रसाद यादव , विशेषज्ञ जनरल सर्जरी की अगुवाई में हर्निया की सफल सर्जरी हुई। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. अटल भास्कर ने बताया कि 61 वर्षीय रामदेवा राम पिछले करीब 06 माह से इंग्वाइन हर्निया की वजह से ग्रोइन एरिया में भारी दर्द एवं सूजन से परेशान थे। परिजनो द्वारा अनेकों जगह परामर्श के पश्चात जिला चिकित्सालय में सर्जरी ओपीडी में मरीज को दिखाया गया। सर्जरी विभाग के डॉ लालू प्रसाद यादव द्वारा मरीज की स्थिति को देखते हुए भर्ती कर आवश्यक जांचे करवाई गई तथा मरीज को स्थिति को देखते हुए ऑपरेशन की सलाह दी गई । सर्जरी टीम की ओर से मंगलवार को मरीज की सफल सर्जरी की गई।सर्जरी टीम में डॉ. लालू प्रसाद यादव के अलावा निश्चेतन विशेषज्ञ डॉ. सत्यपाल ढाका,डॉ. झाबरमल जाट ,ओटी इंचार्ज मनोज

कुमार, नर्सिंग अधिकारी इमरता देवी आदि मौजूद रहे। उपनियंत्रक डॉ शीशराम चौधरी ने बताया कि जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर से प्रशिक्षित डॉ. लालू प्रसाद यादव जिनका पदस्थापन हाल ही में जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में हुआ है के द्वारा लगातार हर्निया, अपेंडिक्स, वेरिकोसिल, वेरीकोज वैन, पेट की गांठ, पित्त की थैली में गांठ एवं स्तन में गांठ आदि के सफल ऑपरेशन अनवरत जिला चिकित्सालय में किए जा रहे है। डॉ. भास्कर ने बताया कि इंग्वाइनल हर्निया एक ऐसी स्थिति है जिसमें पेट के अंदर की कोई आंत या चर्बी का हिस्सा निचले पेट की मांसपेशियों में बनी कमजोरी या छेद से होकर जांघ के पास (ग्रोइन) की ओर बाहर निकलने लगता है।यह हर्निया ग्रोइन रीजन में दाएँ या बाएँ, कभी-कभी दोनों तरफ भी होता है। जांघ/ग्रोइन में सूजन या उभार दिखना, खाँसने, जोर लगाने, उठने-बैठने पर उभार बढ़ना, दर्द या खिंचाव सा महसूस होना,लेटने पर सूजन का अंदर चली जाना आदि इसके मुख्य लक्षण है।

शाहजहांपुर में पानी संकटः महिलाओं ने किया प्रदर्शन, AEN पर फोन न उठाने का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड के शाहजहांपुर कस्बे के रातेडियों की ढाणी, श्याम कॉलोनी, सोतीपाड़ा मोहल्ला और पुराने बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्रों में पिछले करीब सात दिनों से सप्लाई का पानी नहीं आ रहा है। पानी बंद होने से स्थानीय निवासियों को पीने, नहाने और पशुओं के लिए भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर कई बार शिकायतें किए जाने के बाद भी जब समाधान नहीं हुआ, तो इलाके की महिलाओं और मोहल्लेवासियों ने जलदाय विभाग के खिलाफ जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। महिलाएं और पुरुष खाली बर्तन लेकर सड़क पर उतर आए और विभाग व कर्मचारियों की लापरवाही पर नाराज़गी जताई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नीमराना AEN

और विभाग के कर्मचारी फोन तक नहीं उठा रहे हैं। साथ ही, समस्या की जानकारी बार-बार देने के बावजूद विभाग लगातार लापरवाही बरत रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

टोहाना पुलिस ने बैंक के साथ धोखाधड़ी के मामले में एक नामजद आरोपी को किया काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन, आईपीएस द्वारा धोखाधड़ी मामलों में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करने संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत टोहाना पुलिस ने बैंक से धोखाधड़ी कर राशि हड़पने के दर्ज मामले में एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है।?गिरफ्तार आरोपी की पहचान विनोद सिंह उर्फ मोनी पुत्र जोगिन्द्र सिंह निवासी बाहमणीवाला, तहसील मूनक, जिला संगरूर (पंजाब) के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि 25.09.2025 को शिकायतकर्ता अमनजोत, गोल्ड लोन अधिकारी, IDFC बैंक शाखा प्रथम टोहाना ने शिकायत दर्ज कराई थी कि नामजद व्यक्तियों ने झूठ बोलकर ?8,07,500/- की धोखाधड़ी की है। शिकायत पर थाना शहर टोहाना में मामला संख्या 317/2025 दर्ज किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके कब्जे से 5,00,000 रूपए वा एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।आरोपी को थाना हवालात में बंद कराया गया है।मामले में अन्य नामजद आरोपी की गिरफ्तारी अभी लंबित है। मामले में जांच जारी है।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में श्रेष्ठ व अनुकरणीय कार्य के लिए शिक्षक अरविंद शर्मा राज्य स्तर पर हुए सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में श्रेष्ठ व अनुकरणीय कार्य के लिए शिक्षक अरविंद शर्मा को निर्वाचन विभाग सीकर एवं जयपुर की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र लक्ष्मनगढ के भाग संख्या 141 के बूथ लेवल अधिकारी अरविंद शर्मा द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रारम्भिक अवधि में ही मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को शत प्रतिशत डिजिटाइज़ कर

राष्ट्रीय महत्व के कार्य उल्लेखनीय योगदान देने व श्रेष्ठ एवं अनुकरणीय कार्य के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) सीकर एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व शर्मा को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीएम लक्ष्मनगढ मोहर सिंह मीणा ने भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। शहीद राजेंद्र सिंह एवं दोलसिंह राजकीय माध्यमिक विद्यालय हमीरपुरा में पदस्थापित शिक्षक शर्मा के राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर विद्यालय के स्टाफ सहित उनके समर्थकों, शुभचिंतकों व सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है। सम्मान से अभिभूत शर्मा ने बताया कि राज्य स्तर पर सम्मानित होना मेरे लिए व लक्ष्मनगढ के लिए गौरव की बात है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने छात्रों को दिलाई संविधान की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर (एमयूजे) में मंगलवार को संविधान दिवस उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हिस्सा लिया। जहां बिरला ने छात्रों को संविधान की शपथ दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा ने यूनिवर्सिटी की अकादमिक उपलब्धियों, वैश्विक स्तर पर छात्रों और पूर्व छात्रों के योगदान और नवाचार की जानकारी साझा की।

आज के युवाओं की सोच है नेशन फर्स्ट

बिरला ने कहा कि संविधान का सम्मान और पालन हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए संविधान की समझ जरूरी है। नेशन फर्स्ट आज के युवाओं की सोच है और यही सोच देश को आगे बढ़ाएगी। बिड़ला ने बताया कि स्कूलों और यूनिवर्सिटी में संविधान विषयक पाठ्यक्रम शुरू करने की

मणिपाल यूनिवर्सिटी में कहा- विकसित भारत के निर्माण के लिए संविधान की समझ जरूरी

दिशा में संसद कार्य कर रही हैं, जिससे कि नागरिकों में संवैधानिक साक्षरता बढ़ सके।

जिम्नेशियम का उद्घाटन किया

उन्होंने एमयूजे के विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवाचार और वातावरण और शोध क्षमताओं की तारीफ करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी भविष्य में वैश्विक चुनौतियों का समाधान देने वाला प्रमुख नवाचार केंद्र बनेगी। कार्यक्रम के बाद बिरला ने एमयूजे छात्रावास में अति आधुनिक जिम्नेशियम का उद्घाटन भी किया। सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों और मूल्यों का पालन भी जरूरी है। वहीं विधायक डॉ. कैलाश चंद वर्मा ने स्थानीय युवाओं को रोजगार और समुदाय विकास में योगदान के लिए एमयूजे की सराहना की।

संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

ललित गर्ग

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

संविधान किसी भी राष्ट्र का चरित्र, मयार्दा और दिशा निर्धारित करता है। यह केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि एक जीवंत मूल्य-व्यवस्था होती है जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है। संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र की स्थिरता, एकता और प्रगति का आधार हमारे संविधान की दूरदर्शिता, उदारता और संतुलन है। इसलिए किसी भी राष्ट्र में सुशासन की पहली और अनिवार्य शर्त यही है कि संविधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे, केवल शासन के लिए ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के हर व्यवहार, आचरण और विचार में भी।

भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ॰ भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनि त करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।

भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत एवं आधुनिक संविधानों में माना जाता है। यह हमें केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों की भावना भी जगाता है। यह हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता से सज्जित करता है, साथ ही यह भी बताता है कि इन आदर्शों को जीवित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब किसी राष्ट्र में संविधान की अवहेलना शुरू होती है, तब लोकतंत्र डगमगाने लगता है। इसलिए संविधान का सम्मान करना एक विधिक प्रक्रिया का पालन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की बुनियाद है। आज संविधान दिवस पर यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही दृढ़ता से बनी हुई है या नहीं? उत्तर स्पष्ट है-हाँ, क्योंकि हमारा समाज परिवर्तनशील है,

चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल आदर्श समय से परे हैं। संविधान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है जब शासनकर्ता उसे सर्वोपरि मानें और नागरिक उसे जीवन का नैतिक मार्गदर्शक बनाएं। इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि संविधान को केवल हाथ में लेकर जगह-जगह प्रदर्शन करना, जैसाकि कुछ राजनीतिक नेता, विशेषकर राहुल गांधी, करते हैं, क्या सचमुच संविधान के सम्मान का प्रतीक है? संविधान की प्रति का सार्वजनिक प्रदर्शन तब सार्थक होता है जब उसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए, उसके अनुच्छेदों का पालन किया जाए, उसके प्रति संयम, गरिमा और श्रद्धा रखी जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर भीड़ भावनाओं को उकसाने का प्रयास, संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। संविधान को मंचों पर लहराना सम्मान नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता का अवमूल्यन है। संविधान कोई राजनीतिक पोस्टर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, वह राष्ट्र की मयार्दा का दस्तावेज है, जिसे विवेक, संयम और ईमानदारी से समझने एवं पालन करने की आवश्यकता होती है।

संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था- संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा। उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो। उनके अनुसार संविधान को समझना यानी भारतीय समाज की आत्मा को समझना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए उसे शासन का आधारस्तंभ बनाया है। वे बार-बार कहते रहे हैं कि संविधान हमारी शासन-व्यवस्था का पवित्र ग्रंथ है। उनकी दृष्टि में संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि अच्छे शासन, सामाजिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संसद के आरंभिक सत्र हों, प्रमुख राष्ट्रीय अवसर हों या आम जनता से संवाद, हर बार उन्होंने संविधान को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि संविधान का पालन करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च रूप है। उनकी सरकार की प्राथमिकता यही रही है कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक योजना संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे प्रयास हुए जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जन-जागरण बढ़ाना था, जैसे संविधान के प्रति कर्तव्य पालन अभियान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करना, पारदर्शी शासन एवं नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा। उन्होंने संविधान दिवस को केवल समारोह न बनाकर राष्ट्रीय आत्मचिंतन का पर्व बनाने का प्रयास किया, जिससे हर नागरिक संविधान को केवल पढ़े नहीं बल्कि महसूस करे, समझे और जिए।

संविधान का सम्मान केवल शासन की जिम्मेदारी भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक संविधान को केवल विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में सीमित मानते रहेंगे, तो यह राष्ट्र अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से दूर होता जाएगा। संविधान का वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने दैनिक जीवन में समानता का पालन करें, न्याय को महत्व दें, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि रखें, किसी के साथ भेदभाव न करें, हिंसा या अराजकता के बजाय संवाद एवं शांति का मार्ग चुनें। आज जब दुनिया में असहिष्णुता, चरमपंथ और राजनीतिक कटुता बढ़ रही है, तब हमारा संविधान एक शीतल छाया की तरह हमें संरक्षण देता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सत्ता परिवर्तन का खेल नहीं बल्कि मूल्यों की निरंतरता है। संविधान इन्हीं मूल्यों को स्थिर रखता है।

संविधान दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि संविधान का सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं बल्कि प्रतिदिन के जीवन में होना चाहिए। नागरिकों के मन में संविधान के प्रति आदर की आदत विकसित हो, यह तभी संभव है जब समाज में संवैधानिक शिक्षण को मजबूत किया जाए, देश के नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध कराया जाए और हर स्तर पर संवैधानिक आचरण को प्रोत्साहित किया जाए। आज आवश्यकता है कि संविधान को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जाए। उसे नारा, प्रदर्शन और विरोध की वस्तु न बनाया जाए। बल्कि उसे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ के रूप में देखा जाए जो हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण समाज की ओर ले जाता है। यदि हम संविधान का सम्मान करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा; यदि हम इसकी अवमानना करेंगे तो लोकतंत्र कमजोर होगा।

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'संविधान : भारत की आत्मा, समाज का दर्पण और भविष्य का मार्गदर्शक'

26 नवंबर 1949–यह तिथि भारतीय इतिहास में केवल एक संवैधानिक दस्तावेज़ के स्वरूप में नहीं आकर एक नई चुनौतिपूर्ण आशा का उद्घोष करती है। इसी दिन संविधान सभा ने नए भारत का संविधान प्रस्तुत कर अपनाया; परंतु इसका संवैधानिक अंगीकरण और प्रभावी रूप से लागू होना 26 जनवरी 1950 को हुआ – तभी से भारत एक सम्पूर्ण गणतंत्र बना। यह केवल तारीखों का खेल नहीं; यह एक विचारधारा का रूपांतरण है–सदियों से चली आ रहीं विसंगतियों, भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध एक राष्ट्र ने अपनी नई पहचान लिखी। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। संविधान का निर्माण कोई सादा तकनीकी कार्य नहीं था। यह विचारों, वाद-विवाद और दूरदर्शिता का सम्मिलित उत्पाद था। पर इस संपूर्ण प्रक्रिया का नेतृत्व जिस विद्वान ने किया, वह न केवल संविधान सभा के अध्यक्ष थे, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के स्तम्भ – डॉ. भीमराव आंबेडकर थे। उनके नेतृत्व, तर्कशीलता और सामाजिक संवेदना ने यह सुनिश्चित किया कि संविधान केवल शासन-व्यवस्था नहीं, बल्कि समाज को न्याय और समता की ओर मोड़ने वाला निर्देशक बने।

संविधान केवल कलम की स्याही से बना कागज़ नहीं है; यह भारत की नैतिकता और सामाजिक आकांक्षा का लिखित रूप है। यह दस्तावेज़ हमें बताता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं, बल्कि जीवन की शैली है–मानव के अधिकार, गरिमा और समान अवसर की गारंटी। संविधान ने व्यक्तियों को मौलिक अधिकार दिए, पर इसके साथ जिम्मेदारियां भी सौंपीं; यही इसका असली सामंजस्य है।

भारतीय संविधान की विशिष्टताएं हमारे राजनीतिक और सामाजिक जीवन को मार्गदर्शित करती हैं। यह विश्व के सबसे व्यापक लिखित संविधानों में से एक है– यहां व्यक्ति की गरिमा को सर्वोपरि रखा गया; सामाजिक न्याय का सिद्धांत लागू किया गया; धर्मनिरपेक्षता को संवैधानिक मान्यता दी गई; और संघीय ढांचे में केन्द्र व राज्यों के अधिकारों का संतुलन सुनिश्चित किया गया। संविधान ने यह संदेश दिया कि देश का सबसे बड़ा स्वरूप उसकी विविधता में एकता है–भाषा, धर्म, परंपरा और जाति के भेदों के बावजूद एक साझा नैतिक आधार होना चाहिए। डॉ. आंबेडकर ने बार-बार यह स्पष्ट किया कि संविधान केवल कानूनी प्रावधान नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की दिशा है। इसी सोच के कारण संविधान ने केवल राजनीतिक अधिकार ही नहीं दिए, बल्कि समाज के पिछड़े वर्गों के लिए समुचित संरक्षण, आरक्षण और अवसरों की व्यवस्था भी की गई–ताकि वह इतिहास की दीवारों से टूट कर मुख्यधारा में आ सकें। संविधान दिवस (जिसे हम 26 नवंबर के संविधान अपनाने के निर्णय के संदर्भ में याद करते हैं और 26 जनवरी को उसका अंगीकरण मनाते हैं) का अर्थ केवल उत्सव मनाना नहीं है। यह जागरूकता का दिन है–यह याद दिलाने का दिन है कि संविधान को केवल पुस्तक में कैद नहीं रहने देना है; इसे जीवन में उतारना है। संविधान का सार तब तक जीवित नहीं रहेगा जब तक नागरिक उसे अपने आचरण और निर्णयों का आधार नहीं बनाएंगे। आज के समय में, जब समाज अनेक तरह की चुनौतियों–असमानता, सामाजिक खण्डन, अलगाववाद और हेट स्पीच–का सामना कर रहा है, संविधान हमें प्रत्याशित मूल्य सिखाता है: सहिष्णुता, समता, बंधुत्व और कानूनी शासन। यदि हम इन मूल्यों को अपनाएं तो ही हमारा लोकतंत्र सशक्त रहेगा। वरना, रूप मात्र का संविधान भी मायने खो देगा–डॉ. आंबेडकर की किसी चेतावनी की तरह कि 'संविधान कितना भी उत्तम हो, उसे चलाने वाले यदि वह करप्ट या अनैतिक हों तो संविधान विफल हो सकता है। ' संविधान ने हमें अधिकार दिए, पर साथ ही कर्तव्यों का भी बोध कराया–नागरिक होने के नाते प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा करे, नियमों का पालन करे और सार्वजनिक हित में कार्य करे। स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपना अधिकार चलाना नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी है। यही संवैधानिक शिक्षा हर नागरिक को दिल में बैठनी चाहिए। आज जब डिजिटल युग में असंख्य सूचना उपलब्ध है और राजनीति-समाज के स्वर तेज़ हो गए हैं, संविधान हमें संयम, विवेक और संवाद का पाठ पढ़ाता है। भेदभाव, हिंसा या असहिष्णुता कोई समाधान नहीं, बल्कि वह निशान है उस असफल समाज का जिसने संवैधानिक मूल्यों को भूल दिया। इसलिए संविधान दिवस पर हमारा प्रण यह होना चाहिए कि हम संवैधानिक सिद्धांतों को सिर्फ पाठ्यपुस्तक में न रखें, बल्कि अपने व्यवहार, राजनीति और सामाजिक जुड़ाव में इन्हें प्रतिष्ठित करें।

भर गये सदियों के घाव, आस्था का हो रहा विजयगान, केसरिया ध्वज लहराते ही नया युग शुरू

नीरज कुमार दुबे

आज अयोध्या की धरती पर एक ऐसा क्षण उत्पन्न हुआ जो केवल ईंट-पत्थर और वास्तुकला का नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था, अनवरत संकल्प और सामूहिक स्मृति का साक्षी बना। जब केसरिया धर्मध्वज गर्व से श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर लहरा उठा, तो वह केवल एक ध्वज नहीं था वह सैकड़ों वर्ष के अरसे से बँधी हुई वेदना का, अटूट विश्वास का और उन अनगिनत लोगों के संघर्ष का प्रतीक बन गया जो इस पवित्र भूमि को पुनः उसकी गरिमा प्रदान करने के लिये अग्रसर थे।

विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त पर, वैदिक मंत्रों की गूँज और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जो आराधना हुई, वह व्यक्तिगत श्रद्धा से ऊपर उठकर राष्ट्र के सांस्कृतिक स्मरण का साझा अनुष्ठान बन गई। मंदिर के चारों ओर निर्मित परकोटे की शिल्पकला, मुख्य मंदिर की दीवारों पर उकेरे गए 87 प्रसंग और कॉपर-शिल्प की 79 समृद्ध झाँकियाँ, यह सब केवल स्थापत्य कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि रामकथा के विविध आयामों का मूर्त रूप हैं जो हमारी परंपरा की बहुरंगी विविधता को दशार्ते हैं।

यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहा; यह उन अनेकों साधना-यात्रियों, संतों, पुरोहितों, शिल्पकारों, वास्तुकारों, अनुगामियों, श्रमिकों और दानदाताओं की कहानियों का संगम रहा जिनकी तपस्या और त्याग भारत के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। जिन लोगों ने वर्षों, दशकों तक अपनी ऊर्जा समर्पित की, वह आज जहां भी रहे हों, उनके मन में आज नि त रूप से आत्म-संतोष का भाव रहा होगा। साधु-संतों की भक्ति-भाषाएँ, श्रद्धालुओं की भीड़ और नगरवासियों की आतिथ्य-भावना ने भी यह प्रमाणित किया कि आस्था और सामूहिक विश्वास किस तरह किसी स्थान की आत्मा को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

नया ध्वजारोहण केवल अतीत का जश्न नहीं है; यह भविष्य की दिशा का संकेत भी है। आज की अयोध्या, जहाँ प्राचीन रामकथा और आधुनिक योजनाओं का अप्रत्याशित संगम दिख रहा है, वह इस बात का उदाहरण है कि विरासत और विकास साथ-साथ फल-फूल सकते हैं। महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे से लेकर आधुनिकीकरण किए गए रेलवे टर्मिनलों, रामपथ और भक्ति-पथ तक, ये सब उस दृष्टि का हिस्सा हैं जो तीर्थ को वैश्विक रूप से सुलभ, सुरक्षित और आदर्श-आधारित बनाने की कल्पना करती है।

इस पवित्र क्षण पर, हमें उन अनगिनत नामरहित कर्मयोगियों को भी याद करना चाहिए जिनका श्रम बिना किसी प्रचार-प्रसार के मंदिर निर्माण को साकार करने में सहायक रहा। वे श्रमिक जिनके हाथों ने पत्थरों को संवारा; वे शिल्पकार जिनकी कला ने कथानक को जीवन दिया; वे पुरोहित, संत और पंडित जिनके अनुष्ठानिक ज्ञान ने मार्ग दिखाया; और वे स्वयं सेवक व आयोजक जिनकी रात-दिन की मेहनत ने समुचित व्यवस्था सुनि त की, इन सबका आभार केवल शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही राम मंदिर आंदोलन के नेतृत्वकताओं, भागीदारों तथा श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता के बिना आज के इस दिन की कल्पना करना संभव नहीं था।

आज, उन समुदायों और परिवारों का भी अभिवादन आवश्यक है जो शांतिपूर्ण और संयत भाव से इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने रहे। भीड़ के उत्साह में जो संयम और अनुशासन दिखा, वह सामाजिक सहिष्णुता और साझा गर्व का प्रतीक था। संतों के भावपूर्ण शब्दों ने इस क्षण को दैवीयता का अनुभाव बना दिया और भक्तों की आशा-आभा ने यह संकेत दिया कि यह भूमि अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है जहाँ आध्यात्मिकता और सामाजिक विकास साथ-साथ आगे बढ़ने का वादा करते हैं। आज का दिन हमें यह भी संदेश देता है कि किसी भी महान लक्ष्य की पूर्ति के लिये संकल्प, सहनशीलता और सामूहिक भागीदारी अनिवार्य हैं।

बहरहाल, जब केसरिया ध्वज आकाश में लहरा रहा था, तब उसके साथ एक नयी आशा भी ऊँची हुई कि यह स्थान उन मूल्यों का प्रसार भी करेगा जो व्यक्ति को नैतिक, दयालु और समाज-प्रेरित बनाते हैं। अयोध्या की यह गाथा नि त रूप से आने वाली पीढ़ियों को श्रद्धा, सेवा, समर्पण और साझा-सपनों के लिये प्रेरित करेगी। जय श्रीराम।

'हमेशा ऑनलाइन' रहने के मायाजाल की दौड़ में थकते युवा

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक, व्यूज, फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है। भारत में सोशल मीडिया उपयोगकताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है- यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वास्तविक जीवन से काट रही है।

सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है-एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं, अपनी वास्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट, नई तस्वीरें, नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज नहीं मिले, तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं। यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत, और न ही कोई वास्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट, जीवनशैली, शरीर, छुट्टियाँ, करियर, रिश्ते-सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वास्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है।

कई सर्वे बताते हैं कि 18-34 आयु वर्ग के 59% युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता, तनाव, अनिद्रा, ओवरथिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं-इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वास्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे कनेक्टेड दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वास्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है। आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ, संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं, जबकि बुजुर्ग अभी भी वास्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है।

दोस्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह पोस्ट करने लायक तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वास्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट रिश्तों से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है-हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार, मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वास्तविक समस्या बन चुकी है। कई युवा रात को देर तक नींद नहीं ले पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कुछ मिस कर देंगे। दिन में उनकी एकाग्रता भंग रहती है क्योंकि दिमाग हर समय स्क्रीन की ओर खिंचता रहता है। यह चक्र अंतहीन है और जितना समय बढ़ता है, उतनी थकान गहराती जाती है।

प्लेटफॉर्म्स का उद्देश्य सरल है-उपयोगकर्ता को जितना अधिक समय स्क्रीन पर रोके रखा जाए, उतना अधिक लाभ। एल्गोरिद्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता स्क्रोल करना बंद ही न करे। वीडियो एक के बाद एक चलते रहते हैं, नोटिफिकेशन लगातार आकर्षित करते रहते हैं और कंटेंट का चयन इस प्रकार किया जाता है कि उपयोगकर्ता को लगे- बस थोड़ा और। इस रणनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा दिमागों पर पड़ता है, जो अभी भावनात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहे होते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सोशल मीडिया की यह दुनिया उनके समय, ऊर्जा और आत्मसम्मान को लगातार प्रभावित कर रही है।

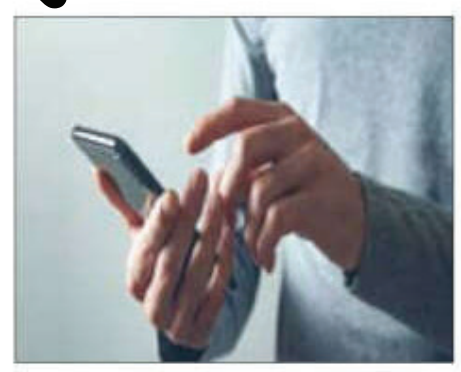

समस्या जितनी बड़ी है, उसका समाधान भी उतना ही व्यवहारिक है-डिजिटल अनुशासन। युवाओं को प्रतिदिन एक नि त समय तय करना चाहिए-इससे आदतें नियंत्रित होंगी और थकान कम होगी। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करने से मन पर होने वाला दबाव कम होता है। खुद को दूसरों के बनाए हाइलाइट रील से तुलना करना बंद करना जरूरी है। परिवार, दोस्तों, किताबों, प्रकृति, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना सकारात्मक ऊर्जा देता है। स्कूलों-कॉलेजों में डिजिटल व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम जोड़ना समय की मांग है। अभिभावकों को भी बच्चों में मोबाइल उपयोग की आदतों पर संयमित और संवेदनशील निगरानी रखनी चाहिए।

युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी वास्तविक प्रतिभा, भावनाएँ, रचनात्मकता और मेहनत किसी स्क्रीन पर आए आंकड़ों से अधिक मूल्यवान हैं। जीवन का अर्थ डिजिटल तालियों से नहीं, बल्कि वास्तविक अनुभवों, रिश्तों और आत्मविकास से बनता है। सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा जरूर बनाया है, लेकिन इसका उपयोग यदि संयमित न हो तो यह हमारे ही जीवन का दायरा छोटा कर देता है। समय आ गया है कि युवा इस मायाजाल से जागें, स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाएं और अपनी वास्तविक पहचान की ओर लौटें। क्योंकि लाइक-व्यूज की यह दौड़ अंतहीन है-और इसमें थकना नि त है। लेकिन जीवन की दौड़ के रास्ते अनंत हैं, अर्थपूर्ण हैं और सच्चे हैं।

कोटपूतली-बहरोड़ में 28 नवंबर को आयोजित होगा वृहद जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । कोटपूतली-बहरोड़, राजस्थान - जिला प्रशासन एवं अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' अभियान के तहत अन-क्लेम फाइनेंशियल एसेट्स व जमाओं के निस्तारण एवं जन-जागरूकता के लिए 28 नवंबर 2025 को जिला मुख्यालय पर एक वृहद जिला स्तरीय कार्यक्रम/कैंप राजधानी टुरिस्ट मोटल (रइ्ञरू), नियर एनएच -48, कोटपुतली में आयोजित किया जा रहा है।

कैंप में मिलेंगी ये सुविधाएं

इस शिविर में जन प्रतिनिधि, आर बी आई, राज्य स्तरीय बेंकर्स समिति, जिले में कार्यरत सभी बैंक, बीमा कंपनिया और मुचूयल फ़ंड कम्पनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। यहाँ उपभोक्ताओं को उनके बैंक खातों, बीमा पोलसियों, शेयर, डिविडेंट और मुचूयल फ़ंड में पड़ी असीमिक /अन क्लेमेंड राशियों की जानकारी दी जाएगी और क्लैम की प्रक्रिया समझाई जाएगी।

क्या साथ लाना आवश्यक है?

दावाकर्ता को सत्यापन के लिए अपने साथ केवाईसी दस्तावेज़ जैसे पैन कार्ड , आधार कार्ड , ड्राइविंग लाइसेन्स , मनरेगा कार्ड आदि लाना होगा। दिवंगत खाताधारक के मामले में मृत्यु प्रणाम पत्र , वारिसनामा और एक फोटो साथ लानी होगी।

10 वर्ष से निष्क्रिय खातों में 25.23 करोड़ की राशि लंबित

जिले के विभिन्न बैंकों में लगभग 1,17,532 खातों में कुल रू25.23 करोड़ की राशि पिछले 10 वर्षों से लेन-देन नहीं होने के कारण भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के डेपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड (DEAF) में स्थानांतरित हो चुकी है। यह राशि अब भी खाता धारकों एवं आश्रितों द्वारा दावा प्रस्तुत किए जाने पर प्राप्त की जा सकती है।

पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद सिद्धांत जैन, आईपीएस ने रतिया शहर में किया पैदल भ्रमण एवं सदर थाना का औचक निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । जनता से संवाद और कानून व्यवस्था की मजबूती को उच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने आज रतिया शहर में बस स्टैंड क्षेत्र से पैदल भ्रमण की शुरुआत की। यह भ्रमण न केवल शहर की सुरक्षा व्यवस्था का प्रत्यक्ष मूल्यांकन था, बल्कि आम नागरिकों के बीच विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी रहा। पैदल भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने शहर का निरीक्षण किया। उन्होंने आमजन से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मुद्दों पर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शहर में यातायात प्रबंधन, रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था तथा पुलिस की नियमित गश्त पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस मौके पर उनके साथ उपपुलिस अधीक्षक नर सिंह, थाना सदर प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह, शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह, बह्ममणवाला पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक हंसराज, नागपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक गुरपाल सिंह, महमडा चौकी प्रभारी एएसआई ज्योति प्रसाद, प्रवाचक उपनिरीक्षक राहुल कुमार सहित पुलिस विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्पगुच्छ देकर श्री जैन का स्वागत किया और पुलिस प्रशासन की सक्रियता की सराहना की।

सदर थाना का औचक निरीक्षण

पैदल भ्रमण के पश्चात पुलिस अधीक्षक श्री जैन ने रतिया सदर थाना पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, लंबित मामलों, शिकायत निवारण प्रक्रिया, रोजनामचा, रिकॉर्ड, महिला हेल्प डेस्क और सीसीटीवी व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो। सदर थाना कर्मियों के साथ बैठक के दौरान श्री जैन ने कहा कि 'जनसेवा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना पुलिस का foremost दायित्व है। हर कर्मी अपने कर्तव्यों का पालन पूर्ण ईमानदारी, संवेदनशीलता और उच्च कार्यक्षमता के साथ करें।' उन्होंने थाना स्तर पर गश्त को और प्रभावी बनाने, रात्रिकालीन ड्यूटी में सतर्कता बढ़ाने, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस उपस्थिति सुनिश्चित करने और अपराध पर रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। नागरिकों ने जताया संतोष सिद्धांत जैन के निरीक्षण और जनता के साथ खुले संवाद ने शहरवासियों में सकारात्मक माहौल पैदा किया। लोगों ने कहा कि पुलिस की इस प्रकार की सक्रिय भागीदारी से उन्हें सुरक्षा और विश्वास का नया एहसास हुआ है। अनेक नागरिकों ने बताया कि ऐसे निरीक्षण आमजन की समस्याओं की वास्तविक समझ पैदा करते हैं और पुलिस-जनता के संबंधों को मजबूत बनाते हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया यह पैदल भ्रमण और औचक निरीक्षण कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

केकड़ी में संविधान दिवस पर डॉ. अम्बेडकर को पुष्पांजलि; चंद्रशेखर आजाद के 'संविधान बचाओ शपथ' कार्यक्रम से जुड़ेंगे कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.केकड़ी।

संविधान दिवस के पावन अवसर पर, भीम आर्मी भारत एकता मिशन और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के द्वारा बुधवार, 26 नवंबर आज को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम नगरपालिका परिसर में स्थापित भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर केंद्रित होगा। पार्टी के अध्यक्ष एडवोकेट डी.एल. वर्मा ने बताया कि 26 नवंबर 2025 को दोपहर 2:50 बजे नगरपालिका केकड़ी प्रांगण में बाबा साहब अम्बेडकर की मूर्ति के पास पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी एवं दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुजफ्फरनगर से लाइव जुड़ेंगे कार्यकर्ता

इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आजाद समाज पार्टी के प्रमुख भाई चंद्रशेखर आजाद द्वारा 50 लाख लोगों के साथ आयोजित किए जा रहे 'संविधान बचाओ शपथ' कार्यक्रम से जुड़ना है। एडवोकेट वर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और भीम आर्मी के सदस्यों को यह संदेश दिया है कि वे बड़ी संख्या में नगरपालिका प्रांगण में मौजूद रहें, ताकि वे सीधे लाइव माध्यम से भाई चंद्रशेखर आजाद के संविधान शपथ कार्यक्रम में शामिल हो सकें।

लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को याद करने का अवसर

आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम भारतीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों–न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व–की याद दिलाने वाला महत्वपूर्ण अवसर है। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं, महिलाओं सहित सभी नागरिकों की उपस्थिति अपेक्षित है। बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर का राष्ट्र निर्माण में योगदान देश के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

श्री राम विवाह पंचमी समारोह, अयोध्या में शामिल हुए लालपुरा धाम हांसी के संत श्री विद्या नन्द

ध्वजारोहण माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने संयुक्त रूप से किया

श्रीमती आनंदी बेन, राज्यपाल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामय उपस्थिति रही

हांसी के लालपुरा धाम के परम संत विद्या नंद जी विशेष तौर पर आमंत्रित थे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हांसी/अयोध्या।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर, अयोध्या के जगतगुरु रामानंदाचार्य द्वार,रामपथ, अयोध्या में मार्गशीष शुक्ल पंचमी के विशेष अवसर देश विदेश की प्रसिद्ध हस्तियां शरीक हुई जिसमें हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत मुख्य अतिथि के तौर शरीक हुए तथा उत्तर प्रदेश की राज्य पाल श्रीमती आनंदी बेन व माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री राम विवाह पंचमी समारोह अयोध्या के साक्षी बने,इस पूरे समारोह में भगवान श्री राम विवाह पंचमी समारोह को भगवान श्री राम की बारात की तरह सुशोभित किया गया था तथा देश विदेश से प्रतिष्ठित संत महात्माओं को भी विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया जिसमें हांसी हिसार स्थित लालपुरा धाम के परम संत सुरेशवरा नंद जी के शिष्य संत विद्यानंद को हरियाणा से विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया है जो पूरे हरियाणा प्रदेश के लिए गौरवशाली क्षण है। हरियाणा प्रदेश से विशेष तौर पर वैसे तो हरियाणा से कई संत महात्माओं को आमंत्रित किया गया है तथा इसी कड़ी में लालपुरा धाम हांसी के परम संत सुरेशवरा नंद जी महाराज के शिष्य संत विद्या नंद सहित हिसार से तीन संत आमंत्रित थे। भगवान श्री राम की बारात सुबह 8से10बजे जगत गुरु रामानंदचार्य द्वार से सुशोभित हुई इस अवसर के सभी आमंत्रित सदस्य साक्षी बने।

अटेली सीएचसी बना हरियाणा का पहला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जहां शुरू हुई अल्ट्रासाउंड सुविधा

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की दूरदृष्टि और निर्णायक फैसले का नतीजा, अटेली प्रदेश में बना हेल्थ केयर मॉडल- दिनेश जेलदार व विकास चेयरमैन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

दिनेश जेलदार

विकास चेयरमैन

मनोज बुलाण । अटेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पूरे हरियाणा का पहला सीएचसी बन गया है जहां अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू की गई है। वर्षों से क्षेत्र की महिलाओं और मरीजों द्वारा उठाई जा रही मांग को मंत्री ने न केवल सुना, बल्कि तुरंत कार्रवाई करते हुए इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मंजूरी देकर अटेली को प्रदेश में विशेष प्राथमिकता दी। प्रदेश में अब तक किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी। जानकारी देते हुए मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार व नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव ने बताया कि स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने वाली स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एक बार फिर इतिहास रचा है। उनके मजबूत नेतृत्व, दूरदृष्टि और जनता के प्रति संवेदनशीलता का परिणाम यह है कि मंत्री ने नियमों और परंपराओं के सीमित दायरे से बाहर निकलकर अटेली की जनता को वह सुविधा दिलाई, जिससे उन्हें सबसे अधिक जरूरत थी। मंत्री की यह पहल आने वाले समय में पूरे प्रदेश के लिए माडल बनने जा रही है। अभी तक अटेली और आसपास के हजारों मरीजों को नारनौल, रेवाड़ी या दूसरे शहरों में अल्ट्रासाउंड के लिए भटकना पड़ता था। लेकिन मंत्री आरती सिंह राव के निर्णय ने ग्रामीणों की इस वर्षों पुरानी परेशानी को एक झटके में खत्म कर दिया। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सीधा और बड़ा फायदा मिलेगा। सेवा पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध होगी। चेयरमैन विकास व दिनेश जेलदार ने बताया कि यह सुविधा पूरी तरह मंत्री की निजी पहल और उनके विशेष हस्तक्षेप के कारण संभव हो पाई है। यदि मरीजों की संख्या बढ़ती है तो सेवा के दिनों व दायरे को बढ़ाने पर भी मंत्री स्वयं निर्णय लेंगी। अटेली के लिए यह ऐतिहासिक उपहार है, और इसका श्रेय सिर्फ व सिर्फ मंत्री आरती सिंह राव को जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र के लोगों को प्राथमिकता दी। यह कदम अटेली के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं। जिस समस्या को कोई सरकार वर्षों में हल नहीं कर सकी, वह स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एक फैसले में हल कर दी, उनके नेतृत्व में अटेली का विकास तेजी से हो रहा है। यह घोषणा सिर्फ एक सुविधा की शुरुआत नहीं, बल्कि यह साबित करती है कि जब नेतृत्व संवेदनशील हो और निर्णय लेने की क्षमता रखता हो, तो बदलाव निश्चित होता है और इस बदलाव की नायिका हैं

> सीएमओ डॉ. अशोक कुमार और एसएमओ विजय यादव ने अल्ट्रासाउंड मशीन का शुभारंभ किया। अल्ट्रासाउंड सेवाएं हर मंगलवार सुबह 9 से शाम 4 बजे तक निशुल्क उपलब्ध रहेंगी। विशेषज्ञ सोनोग्राफर डॉ. धर्मेंद्र सागवान को स्वयं स्वास्थ्य मंत्री की मंजूरी पर तैनात किया गया है।
>
> अटेली मेरी जनता का क्षेत्र है। यहां के लोगों ने वर्षों से अल्ट्रासाउंड सुविधा की मांग उठाई थी। मैं वादा करती हूं कि सरकारी अस्पतालों को प्राइवेट अस्पतालों जैसी आधुनिक सेवाओं से लैस किया जाएगा। अटेली से शुरू हुआ यह मॉडल पूरे हरियाणा में लागू होगा।
>
> **- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव**

भारत जैसे बहुलता वाले देश को बाबा साहब अंबेडकर द्वारा रचित संविधान ने देश को एकता के सूत्र में पिरोया- डा शिवताज सिंह

संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर परिवर्तनकारी साहित्य मंच की ओर से नारनौल के संविधान जागृति कार्यक्रम का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

मनोज बुलाण। संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर परिवर्तनकारी साहित्य मंच की ओर से मंगलवार को संविधान जागृति कार्यक्रम का आयोजन नारनौल के बाल्मीकि सभागार में किया गया। समारोह की अध्यक्षता सुंदर लाल उत्सुक द्वारा की गई और मुख्य वक्ता प्रो शिवताज सिंह ताज रहे जबकि मंच का संचालन रविन्द्र सैनी ने किया। कार्यक्रम में संविधान से मिले हक अधिकार व आज के युग में उन मूल्यों को प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया तथा संविधान की प्रस्तावना का प्रतिज्ञान किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता मंच अध्यक्ष सामाजिक चिंतक रिटायर्ड प्राचार्य डा. शिवताज सिंह ने कहा कि 2014 के बाद देश में संविधान को कमजोर करने के साथ संवैधानिक संस्थाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। भारत जैसे बहुलता वाले देश को बाबा साहब अंबेडकर द्वारा रचित संविधान ने देश को एकता के सूत्र में पिरोया है। दुनिया का सबसे विस्तृत व सभी को समानता, न्याय, बंधुत्व देने वाला भारतीय संविधान है। अगर देश के संविधान की किताब सुरक्षित रहेगी तो हर जाति, धर्म, भाषा आदि के मानने वाले को अधिकार सुरक्षित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए अध्यापक सुदंरलाल ने कहा कि भारत का संविधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर देता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षो से देश में धार्मिक अंधता का वातावरण तैयार किया जा रहा है जो संविधान के लिए एक बड़ा खतरा है। भारत के संविधान की प्रास्तावना को सभी स्कूलों में प्रातकाल में पढने के लिए अनिवार्य किया जाये ताकि भविष्य के नागरिकों को इसकी गहनता से जानकारी हो सके। समारोह में प्रधान चंदन सिंह जालवान ,बलबीर बबेरवाल, महेंद्र बोयत, राष्ट्रपति अवार्डी सरपंच रोशनी देवी, भूपसिंह भारती ,आशुतोष अंबेडकर, एडवोकेट गजानन्द दोचानिया,रिटायर्ड मैनेजर मदनलाल डाडैया ने संबोधित किया। इस बैठक में भारतीय बौद्ध महासभा हरियाणा की उपाध्यक्ष आशा पूनिया , ललित कुमार,सुनील चंदपुरा,करतार सिंह, सुरेन्द्र कुमार, महावीर, राधेश्याम, हरिराम,अमरनाथ सिरोहा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अतिदेय ऋणधारकों के लिए एकमुश्त समाधान योजना की अवधि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर। परियोजना प्रबंधक, अनुजा निगम सीकर प्रियंका पारीक ने बताया कि राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम, जयपुर द्वारा संचालित एकमुश्त समाधान योजना 2025-26, जो 1 मई से लागू की गई थी, अब अतिदेय ऋणधारकों के लिए और अधिक लाभकारी बन गई है। अनुजा निगम मुख्यालय के नवीन निर्देशानुसार योजना के अंतर्गत अतिदेय मूलधन जमा करवाने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 कर दी गई है।

यह योजना उन लाभार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिन्होंने अनुजा निगम की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 31 मार्च 2024 तक ऋण प्राप्त किया था। योजना के तहत ऋणधारक द्वारा अतिदेय मूलधन जमा कराने पर अतिदेय ब्याज एवं शास्ति में पूर्ण छूट प्रदान की जाएगी, जिससे ऋणधारकों को आर्थिक राहत मिलेगी और वे पुनः आर्थिक मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी, पात्रता, प्रक्रिया एवं सहायता के लिए इच्छुक लाभार्थी अनुजा निगम कार्यालय, कलेक्ट्रेट परिसर, सीकर में कार्य दिवसों में संपर्क कर सकते हैं। परिसर में भगवान श्रीकृष्ण एवं अन्य देवी देवताओं की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित यज्ञ में मंत्रोच्चार के बीच आहुति दी। उन्होंने गाय का पूजन कर गुड़ भी खिलाया। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सांसद मदन राठौड़ और श्री पी.पी. चौधरी, विधायक शोभा चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पाली में श्री मीरा-माधव मंदिर और श्रीकृष्ण भगवान मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में की शिरकत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति के संरक्षण में हुए महत्वपूर्ण कार्य, राज्य सरकार गौवंश संवर्धन के लिए पूर्ण रूप से समर्पित, युवा, महिला, मजदूर, किसान के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध – मुख्यमंत्री शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार सनातन संस्कृति के उत्थान, गौसेवा और युवा, महिला, मजदूर तथा किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ-साथ विरासत के मंत्र को आत्मसात् करते हुए राज्य सरकार मन्दिरों और तीर्थ स्थलों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है। शर्मा मंगलवार को पाली के नेतरा में भगवान श्री मीरा-माधव मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां गौशाला परिसर में बने मन्दिर में भगवान श्री मीरा-माधव सरकार की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें गौमाता की चरण धूलि से पवित्र इस पुण्य भूमि पर आने का अवसर मिला है। यहां भगवान श्रीकृष्ण और भक्त शिरोमणि मीरा बाई की आराधना होगी, जिससे नेतरा गांव की पुण्य भूमि साक्षात बैकुंठ के समान बन जाएगी।

आस्था धामों में हो रहे विश्व स्तरीय विकास कार्य :

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में सनातन संस्कृति के संरक्षण में अनेक कार्य हुए हैं। सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण पूर्ण हुआ है। यह मंदिर सांस्कृतिक तौर पर विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। आज करोड़ों लोगों धार्मिक भावनाओं को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री ने श्री राम मंदिर में धर्मध्वजा फहराई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के साथ केदारनाथ एवं बद्रीनाथ जैसे आस्था धामों में विश्व स्तरीय विकास के कार्य कराए गए हैं।

21 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को कराई अयोध्या यात्रा :

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। प्रदेश में 129 मेलों, उत्सवों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत 21 हजार से अधिक यात्रियों को अयोध्या और लगभग 6 हजार श्रद्धालुओं को हवाई मार्ग से नेपाल में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करवाए गए। इस योजना के तहत 57 हजार से अधिक यात्रियों को ट्रेन से विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में राजस्थान से शामिल होने गए लाखों श्रद्धालुओं के लिए राज्य सरकार ने विशेष कैम्प स्थापित किया।

गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए दिया 2 हजार 791 करोड़ रुपये का अनुदान :

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने गौ संरक्षण और संवर्धन योजनाओं के लिए 2 हजार 791 करोड़ रुपये की अनुदान राशि दी है। प्रत्येक पंजीकृत गौशाला को प्रतिदिन प्रति गाय 50 रुपये और छोटे बछड़े के लिए 25 रुपये की सहायता दी जा रही है। 341 गौशालाओं में आधारभूत सुविधाओं का निर्माण कराया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा को 11 लाख रुपये का चेक सौंपा। कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद मदन राठौड़, लुम्बाराम चौधरी, विधायक छगन सिंह राजपुरोहित सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कृष्ण भगवान मन्दिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में की शिरकत :

मुख्यमंत्री शर्मा ने सोजत में बिलावास गोशाला सेवा समिति द्वारा आयोजित श्री कृष्ण भगवान मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 16 कला अवतारी भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज क्षेत्र में लीलाएं की और असुरों का नाश किया। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से दुनिया को महत्वपूर्ण संदेश दिया। श्री शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति में गौमाता का बड़ा महत्व है। हम पहली रोटी गौमाता को देते है। हम नदी, पेड़ों और पहाड़ों के साथ-साथ गौमाता को भी पूजते हैं। उन्होंने आमजन से गौवंश संवर्धन का आह्वान किया।

NSUI द्वारा संविधान दिवस पर मैराथन आज

भीम प्रज्ञा न्यूज. जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । संविधान दिवस के उपलक्ष में बुधवार को सुबह 6:30 बजे जयपुर, वैशाली नगर चित्रकूट स्टेडियम में एनएसयूआई राजस्थान द्वारा 5 किलोमीटर की विशेष मैराथन 'रन फॉर संविधान बचाओ, देश बचाओ' का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी एनएसयूआई राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने दी।

ढाणीभदालान के बीएलओ मालावत जिला स्तर पर सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाणी भदालान के बूथ लेवल अधिकारी को शत प्रतिशत उपलब्धि के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाणी भदालान के प्रधानाचार्य राकेश कुमार मीणा ने बताया कि विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक बीएलओ शक्ति सिंह मालावत विधानसभा क्षेत्र दांतारामगढ़ की भाग संख्या 56 के बूथ लेवल अधिकारी हैं। जिन्होंने बीएलओ के रुप मतदाता सूची के स्ढ्ढक्र कार्यक्रम में 100' लक्ष्य प्राप्त किया। राष्ट्रीय कार्यक्रम के शत प्रतिशत लक्ष्य को अर्जित करने पर जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र दिया गया। विद्यालय परिवार ने मालावत के जिला स्तर पर सम्मानित होने पर उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट , सराहनीय, कार्य के प्रति समर्पण ,कर्तव्य निष्ठा ओर सेवाभावी कार्य के लिए उनको बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

स्टेनलेस स्टील वाटर टैंक की मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सैनी एक्वाटेक प्राइवेट लिमिटेड का हुआ शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्टेनलेस स्टील वाटर टैंक की मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सैनी एक्वाटेक प्राइवेट लिमिटेड का मुंडका दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र में फिरनी रोड स्थित के.एन.83/6 में भव्य शुभारंभ हुआ। शुभारंभ समारोह के अवसर पर उधोगपति महेश बागड़ी, प्रेम बागड़ी, इन्द्रपाल धूपिया, गौरव सैनी, राजकुमार सिंगोदिया, बलराजू गौड़ हैदराबाद, अनिल सैनी,पवन सैनी, मोहित बागड़ी, समाजसेवी गोपीराम कम्मा चिडावा, मनोज राकसिया लक्ष्मनगढ सहित उद्यमी, व्यापारी व प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

एएनसी स्टाफ फतेहाबाद द्वारा नशीला पदार्थ 5 ग्राम हिराईन सहित आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद श्री सिद्धान्त जैन आईपीएस द्वारा नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के दिशा-निर्देशों के तहत एएनसी स्टाफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीला पदार्थ 5 ग्राम हिराईन सहित एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान अजय कुमार उर्फ कालु पुत्र भंवरलाल निवासी गाँव भाणा जिला हिसार के रूप में हुई है।एएनसी स्टाफ प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह के अनुसार पुलिस टीम रूटीन गश्त पर थी, शक होने पर युवक को चैक किया गया ।जिसके पास से नशीला पदार्थ 5 ग्राम हिराईन बरामद हुए। जिस पर आरोपी के खिलाफ थाना सदर फतेहाबाद में मामला दर्ज किया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

शिवसिंहपुरा में गौ सेवक की पुण्यतिथि पर रक्तदान:

युवाओं ने 60 यूनिट रक्त किया एकत्रित, बड़ी संख्या में युवा रहे उपस्थित

भीम प्रज्ञा न्यूज

पचेरी । पचेरी थाना क्षेत्र के शिवसिंहपुरा गांव में केशव माधव गौ उपचार शाला में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर दिवंगत गौ सेवक विकास यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए युवाओं द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें कुल 60 यूनिट रक्त का सफल संग्रहण किया गया। आयोजक बबलू यादव ने बताया कि स्व. विकास यादव एक गौ सेवक के रूप में जाने जाते थे और युवाओं के बीच लोकप्रिय थे। यह रक्तदान शिविर उनकी स्मृति और सेवा भाव को समर्पित है। इस नेक कार्य को सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। डॉ. विनित यादव, सतवीर यादव, वीरेंद्र, छोटेलाल, राहुल, सोनू, मीन जांगिड़, कृष्ण, दीपक, पवन, अशोक और अमित सहित कई युवाओं ने शिविर में सक्रिय सहयोग दिया। युवाओं ने इस पहल से संदेश दिया कि वे स्व. विकास यादव के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की टीम ने किया बीडीके अस्पताल, मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज का सघन निरीक्षण

मॉक-ड्रिल में तत्परता, निर्माण कार्य में देरी पर जताई नाराजगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़, झुंझुनूं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की एक उच्च स्तरीय टीम ने झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज का दो दिवसीय सघन निरीक्षण किया। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक (अस्पताल प्रशासन) मुकेश मीणा और स्वास्थ्य प्रबंधक ज्योति मीणा ने निरीक्षण का नेतृत्व किया। अतिरिक्त निदेशक मुकेश मीणा ने बताया कि यह निरीक्षण प्रदेशभर के 83 अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में फायर सेफ्टी और अन्य महत्वपूर्ण मानकों की जांच तथा आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान सोमवार शाम 4 बजे अस्पताल में आग लगने की आपातकालीन स्थिति का अभ्यास करने के लिए मॉक-ड्रिल का आयोजन किया गया। अस्पताल प्रभारी द्वारा पुलिस कंट्रोल को सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, नगर परिषद, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण विभाग, और चिकित्सा विभाग समेत सभी विभागों की टीमें एवं वाहन तुरंत बीडीके अस्पताल की एमसीएच विंग के पास पहुंच गए। अग्निशमन प्रक्रिया पूरी की गई और 'घायलों' को तुरंत अस्पताल की आपातकालीन इकाई में पहुंचाकर चिकित्सकों की टीम द्वारा उपचार किया गया

तथा उन्हें आईसीयू और वार्डों में भर्ती कराया गया। अतिरिक्त निदेशक मुकेश मीणा ने मॉक-ड्रिल में सभी विभागों की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की और इसे नियमित मॉक-ड्रिल तथा गैप एनालिसिस का परिणाम बताया। उन्होंने प्रतिमाह मॉक-ड्रिल करने और गैप एनालिसिस करने के निर्देश भी दिए।टीम ने इलेक्ट्रिक सेफ्टी की विस्तृत जानकारी कनिष्ठ अभियंता विनोद यादव से ली और बिजली के तारों की स्थिति, आपात आपूर्ति, और पावर बैक-अप की समीक्षा की। वार्डों से समस्याओं के लिए तुरंत संपर्क सुनिश्चित करने हेतु पीडब्ल्यूडी चौकी का हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश दिए गए। अस्पताल की साफ-सफाई और बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था की टीम ने विशेष सराहना की और टीमें बनाकर नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए। अस्पताल के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। टूटी सड़क का तकमीना बनाने और पेचवर्क हेतु आरएसआरडीसी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। साथ ही, विशेषज्ञ चिकित्सकों की राय पर विभिन्न उपकरणों की मांग का प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए गए। प्रसव एवं नवजात शिशु इकाई की उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की गई। निर्माणाधीन ट्रॉमा सेंटर के कार्य को शीघ्र पूर्ण कर ट्रॉमा केयर को बढ़ाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, निराश्रित पशुओं एवं श्वानों के प्रवेश को रोकने, चिकित्सकों की ओपीडी/आईपीडी सेवाओं को बेहतर करने, दवा योजना के भवन का प्रस्ताव भिजवाने और कबाड़ का तुरंत निस्तारण करने के निर्देश भी प्रदान किए गए। मंगलवार को टीम ने निर्माणाधीन नर्सिंग महाविद्यालय का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर अतिरिक्त निदेशक ने गहरी नाराजगी जाहिर की और निर्माण कार्य में लेबर संख्या बढ़ाने तथा निरंतर मॉनिटरिंग करने के लिए एक्सईएन सीमा मरोड़िया को निर्देशित किया। गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य देरी से शुरू करने पर भी नाराजगी जताई गई। लेक्चर हॉल और कार्यालय भवनों में विद्युत कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिशासी अभियंता रवि को दिए गए, ताकि कक्षाएं जल्द शुरू की जा सकें।

मेडिकल कॉलेज निरीक्षण के दौरान, अतिरिक्त निदेशक मुकेश मीणा ने पानी भराव की समस्या के समाधान हेतु प्रधानाचार्य डॉ. राकेश साबू को जिला कलेक्टर एवं राजमेस से समन्वय कर समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। साथ ही, विद्यार्थियों की नियमित थ्योरी एवं प्रैक्टिकल कक्षाएं संचालित करने हेतु निर्देशित किया। मेडिकल कॉलेज मैस निरीक्षण के दौरान छात्रों से खान-पान की जानकारी ली गई, जहाँ छात्राओं ने दबी जुबान से दूध और दही की क्वालिटी घटिया आने की शिकायत की। अतिरिक्त निदेशक ने स्वयं छाछ मंगवाई और उसमें दूर से ही खट्टी गंध आने पर तथा चखने के बाद मैस संचालन कर्ता को जमकर लताड़ पिलाई। उन्होंने बासी-पुरानी छाछ का उपयोग तुरंत बंद करने और तत्काल प्रभाव से लैब में जांच करवाने के निर्देश दिए। मैस के अंदर जंक फूड की बिक्री देखकर भी मुकेश मीणा उखड़ गए और इसे तुरंत हटाने का आदेश दिया। उन्होंने 7 दिन बाद पुनः लैब परीक्षण करवाने की बात कही और छात्रों को शुद्ध खान-पान की सलाह देते हुए अपना मोबाइल नंबर भी दिया ताकि वे किसी भी समस्या पर बेझिझक उन्हें अवगत करा सकें।

पपुरना का लापता बच्चा सीकर में मिला: पुलिस ने होटल से दस्तयाब किया, ग्रामीणों ने दी थी आंदोलन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी थाना क्षेत्र के पपुरना से 16 नवंबर को लापता हुआ 13 वर्षीय बच्चा मंगलवार को सीकर में मिल गया। सीकर पुलिस ने उसे एक होटल से दस्तयाब कर खेतड़ी पुलिस को सौंप दिया है। बच्चे का नाम निशांत मेघवाल है, जो आठवीं कक्षा का छात्र है। निशांत 16 नवंबर की सुबह करीब 6 बजे अपने घर से लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया था। लापता बच्चे का सुराग न मिलने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके बाद एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने एएसपी फूलचंद के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) का गठन किया था और जल्द बच्चे को बरामद करने का आश्वासन दिया था। परिजनों ने निशांत के लापता होने की शिकायत खेतड़ी थाने में दर्ज करवाई थी। परिवार का आरोप था कि पुलिस मामले में गंभीरता से कार्रवाई नहीं कर रही है। परिजनों ने बताया था कि निशांत घर पर ही रहता था और गांव की स्कूल के अलावा घर से बाहर नहीं जाता था। सीकर सीआई इंद्राज मरोड़िया ने बताया कि खेतड़ी क्षेत्र से लापता बच्चे के बारे में जानकारी मिली थी। सीकर में एक होटल में एक बच्चे के होने की सूचना पर जांच की गई, जिसमें उसकी पहचान पपुरना निवासी निशांत के रूप में हुई।

परिजनों से तस्दीक करवाने के बाद उसे खेतड़ी पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। खेतड़ी पुलिस बच्चे के बारे में आगे की जानकारी जुटा रही है। बच्चे को जल्द ही उसके परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

12वीं में फेल होने से लेकर राजस्थान की एकमात्र सीट पर चयन तक- डॉ. आनंद चौधरी की प्रेरक सफलता गाथा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चित्तौड़गढ़।

लगन, धैर्य और निरंतर प्रयास किस तरह असफलता को सफलता में बदल सकते हैं, इसका प्रेरक उदाहरण हैं डॉ. आनंद चौधरी। वर्ष 2014 में 12वीं कक्षा में असफल होने के बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य की ओर नए संकल्प के साथ आगे बढ़े। उन्होंने बी.एससी एवं एम.एससी (कृषि) की शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से तथा पीएच.डी. की उपाधि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर से प्राप्त की। उनकी यह शैक्षणिक यात्रा दर्शाती है कि कोई भी असफलता व्यक्ति की दिशा बदल सकती है, लेकिन उसकी क्षमता नहीं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच डॉ. चौधरी ने वह उपलब्धि हासिल की, जो पूरे राज्य के युवाओं के लिए मिसाल है। सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी (AARO) - पौध रोग विज्ञान के पद पर पूरे राजस्थान में केवल एक ही सीट थी, जिस पर चयनित होने का गौरव डॉ. चौधरी को प्राप्त हुआ।उनकी नियुक्ति बीज परीक्षण प्रयोगशाला, चित्तौड़गढ़ में की गई है, जहाँ उन्होंने हाल ही में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करते समय डॉ. चौधरी ने कहा कि वे कृषि अनुसंधान, बीज गुणवत्ता परीक्षण तथा किसानों की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित रहेंगे। क्षेत्र के कृषक समुदाय एवं शिक्षाविदों ने उनकी इस उपलब्धि को प्रेरणादायक बताया।डॉ. आनंद चौधरी की यात्रा यह संदेश देती है कि असफलता अंत नहीं, एक नई शुरुआत होती है। हौसला बड़ा हो तो हर मंज़िल संभव है।

सरदार पटेल की 150 वीं जयंती पर एकता पदयात्रा आयोजित, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने दिखाई हरी झंडी, स्वदेशी अपनाने की दिलवाई शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में रामलीला मैदान से मंगलवार को जिला स्तरीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने हरी झंडी दिखाकर किया।

पदयात्रा रामलीला मैदान से रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय पहुंची। यात्रा के दौरान एनसीसी, एनएसएस इकाई सहित अनेक शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और सरदार पटेल अमर रहें के नारों से वातावरण गुंजायमान रहा। पूर्व सांसद सीकर स्वामी सुमेधानंद सरस्वती की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों को एकसूत्र में पिरोकर जिस अखंड भारत का निर्माण किया वह इतिहास का सबसे अद्भुत कार्य है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और प्रशासनिक दक्षता के

जिस स्वरूप की नींव सरदार पटेल ने रखी, उसी के कारण आज भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है।यूडीएच मंत्री खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल की 150 वीं जयंती वर्ष को समर्पित करते हुए देशभर में एकता यात्राओं का आयोजन सुनिश्चित किया है, ताकि उनके योगदान और प्रेरक जीवन गाथा को देश की युवा पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके। राज्य मंत्री खर्रा ने कहा कि आज का युवा यदि सरदार पटेल के कृतित्व और व्यक्तित्व को समझ लें तो राष्ट्र निर्माण का मार्ग और अधिक सशक्त हो जाएगा। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आह्वान किया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि 'एकता ही राष्ट्र की शक्ति है, और जिस राष्ट्र की एकता मजबूत होती है, उसका विकास अवरुद्ध नहीं किया जा सकता।' उन्होंने सभी से भारत की एकता, अखंडता, सामाजिक सौहार्द और विकास यात्रा में सक्रिय

सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनों को स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलवाई।समारोह के दौरान वक्ताओं ने सरदार पटेल के जीवन, कार्य एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को याद करते हुए युवा पीढ़ी को प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय व महाविद्यालय की छात्र–छात्राओं ने देश भक्ति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।कार्यक्रम में सीकर के पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी,भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ नेछवा उपखंड अधिकारी भावेश धनवंत, तहसीलदार फारूक अली, नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी नवनीत कुमार, पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार मीणा, थानाधिकारी राजाराम, प्राचार्य डॉ.नगेन्द्र सिंह नाथावत, संयोजक अमित शर्मा जिला युवा अधिकारी मोहित चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक मौजूद रहे।

जसरापुर में एसडीएम ने बीएलओ को किया सम्मानित:

एसआईआर में शत-प्रतिशत कार्य पर मिला प्रशस्ति पत्र, संबंधित सहयोगी कर्मचारी भी सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जसरापुर।

जसरापुर क्षेत्र में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ और संबंधित सहयोगी कर्मचारियों को उपखंड अधिकारी सुनील कुमार चौहान ने सम्मानित किया। यह सम्मान उपखंड कार्यालय में प्रदान किया गया। एसडीएम चौहान ने मानोता जाटान के भाग संख्या 6 के बीएलओ राजेश मेघवाल और देवता गांव के भाग संख्या 10 के बीएलओ नरेंद्र कुमार ढाका को विशेष रूप से सम्मानित किया। दोनों को शत-प्रतिशत कार्य निष्पादन के लिए प्रतीक चिन्ह और जिला कलेक्टर द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर मानोता जाटान के भाग संख्या 6 में सहयोग देने वाले अरविंद जांगिड़ एवं सुपरवाइजर राजकुमार को भी सम्मानित किया गया। एसडीएम चौहान ने कहा कि मतदाता सूची का अद्यतन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार एसआईआर-2026 और मतदाता सूची अद्यतन कार्य को निर्धारित समय से पहले पूरा करना आवश्यक है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहें। उपखंड अधिकारी चौहान ने खेतड़ी क्षेत्र की बीएलओ

टीम की ईमानदारी, जिम्मेदारी और समयबद्धता से कार्य करने की सराहना की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिला स्तर पर भी उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया जा रहा है, जिससे टीम भावना को बढ़ावा मिलता है और कार्य के प्रति निष्ठा मजबूत होती है।सम्मान प्राप्त करने के बाद बीएलओ राजेश मेघवाल, नरेंद्र ढाका और अरविंद जांगिड़ ने इसे उनके लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने भविष्य में भी जिम्मेदारी, तत्परता और निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर ओमप्रकाश कुमावत, सुनील कुमार सैनी, दिनेश कुमार व संतोष कुमार जयदिया भी मौजूद रहे।

3 संतान पर भी पार्षद चुनाव का प्रस्ताव भेजा:

स्वायत्त शासन ने विधि विभाग को भेजा प्रस्ताव, 309 निकायों और 10245 वार्डों में होगा लागू

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में 309 नगरीय निकाय चुनावों 10245 वार्डों के पार्षद चुनाव में 2 संतान के नियम को बदलने के लिए प्रस्ताव तैयार कर विधि विभाग को भेजा गया है। यूडीएच एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा की पहल पर स्वायत्त शासन विभाग ने यह प्रस्ताव तैयार किया। इससे पहले राय ली गई। कर्मचारियों की पदोन्नति में 2 से अधिक संतान पर रियायत के बाद चुनाव में भी पार्षद, मेयर, सभापति के लिए भी 2 से अधिक संतान पर चुनाव लड़ने की रियायत देने की मंशा से यह प्रस्ताव विधि विभाग से पास होने के बाद लागू किया जाना संभव होगा।

कई नेता और संगठनों ने रखी थी मांग

विभाग के मंत्री और अफसरों को सैकड़ों ज़ापन और पत्र मिले। नेताओं ने मांग रखी। संगठनों ने भी आवाज उठाई। उसके अनुसार शहरी निकाय और पंचायती राज संस्थाओं में दो से ज्यादा बच्चे वालों को चुनाव लड़ने से अयोग्य करने के नियम को बदलने पर जोर दिया। इस पर मंत्री स्तर से प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। प्रदेश में कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में नियमों में शिथिलता के बाद इस मांग ने जोर पकड़ा।

फिलहाल चर्चा है कि 2 से अधिक संतान वाले जनप्रतिनिधियों पर लगी रोक को लेकर सरकार नीति में बदलाव कर सकती है।

गौरतलब है कि पंचायती राज और निकाय चुनाव के लिए 1995 में लागू नियम के तहत 2 से ज्यादा बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत और नगर निकाय चुनाव लड़ने पर पाबंदी रहेगी। लेकिन अब बदलते सामाजिक हालात और जनसंख्या के नए परिदृश्य को देखते हुए सरकार इस पर पुनर्विचार कर रही है। गत दिनों यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने साफ संकेत दिए कि सरकार के पास इस मुद्दे पर मिले ज़ापनों को लेकर परीक्षण चल रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जल्द ही इस पर अंतिम निर्णय ले सकते हैं। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मंत्री की स्वीकृति के बाद विधिक परीक्षण के लिए प्रस्ताव भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया: पोप ने की अपहरणकर्ताओं के कैद में 253 छात्र और 12 शिक्षक की रिहाई की अपील

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के एक कैथोलिक स्कूल से किडनैप हुए 303 स्कूली बच्चों में से 50 कैद से भाग निकले हैं। स्कूल अथॉरिटी ने रविवार को कहा अब अपने परिवारों के पास हैं। जबकि पोप ने अभी भी लापता बच्चों को तुरंत छोड़ने की अपील की है। क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के चेयरमैन और स्कूल के संचालक मोस्ट रेव. बुलुस दौवा योहाना ने बताया कि अब भी 253 छात्र और 12 शिक्षक अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी माता-पिता से संपर्क और मुलाकात के बाद पक्की हुई।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात फिना ने मचाई तबाही, 19 हजार प्रभावित

डार्विन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में शनिवार देर रात आए चक्रवात फिना ने राजधानी डार्विन और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मचाई। 205 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने हजारों घरों को नुकसान पहुंचाया और सड़कें पानी से डूब गईं। रविवार को पूरा दिन इलाके की बिजली गुल रही। मुख्यमंत्री लिया फिनोचियारो ने कहा कि फिना के कारण संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है और लगभग 19 हजार लोग अंधेरे में रह रहे हैं। हालांकि, गनीमत यह रही इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार, 7 गिरफ्तार

मनीला, एजेंसी। फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि इस घोटाले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और कई अन्य की तलाश जारी है। इस मामले में शक्तिशाली सांसद और सरकारी अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। भ्रष्टाचार के कारण गरीब इलाकों में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएँ अधूरी या निम्न गुणवत्ता की बन रही थीं। इस घोटाले में जाल्डी को, पूर्व सांसद, और कुछ सरकारी इंजीनियर भी आरोपी हैं। पहले मामले में ओरिएंटल मिनडोरो प्रांत की नदी की ढाई करोड़ पेसो की डाइक परियोजना में अनियमितताएं मिलीं। मार्कोस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में से एक को क्यूजोन सिटी में एक घर से गिरफ्तार किया गया, जबकि छह अन्य स्वयं पुलिस के सामने आए। राष्ट्रपति ने बाकि संदिग्धों से आग्रह किया है कि वे भी जल्द आत्मसमर्पण करें। उन्होंने कहा कि हम रुकेंगे नहीं, जांच जारी रहेगी।

काठमांडू में नेपाल प्रीमियर लीग मैचों पर सट्टेबाजी करते 8 भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने रविवार को नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर सट्टा लगाने के आरोप में 8 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी त्रिभुवन यूनिवर्सिटी स्टेडियम में खेले जा रहे मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी कर रहे थे। पकड़े गए सभी युवक आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 19 से 35 साल के बीच है। वे काठमांडू के समाखुसी इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे। काठमांडू वैली क्राइम इन्वेस्टिगेशन ऑफिस के प्रवक्ता, पुलिस अधीक्षक काजी कुमार आचार्य ने बताया कि यह समूह टूर्नामेंट पर करीब 5 लाख नेपाली रुपए (लगभग 3 लाख भारतीय रुपए) का अवैध सट्टा लगा रहा था। सूचना मिलने के बाद एक विशेष पुलिस टीम ने उन्हें स्टेडियम के पास बल्कू इलाके से रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 15 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

बहुत शानदार होगा राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा: उशाकोव

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय व आवास क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आगामी भारत दौरा बहुत शानदार और कामयाब होगा। रूसी सरकारी टीवी वीजीटीआरके के साथ बातचीत में उशाकोव ने कहा, रूसी और भारतीय पक्ष दौरे की पूरी तैयारी कर रहे हैं। यह एक बहुत शानदार दौरा होगा।

नेपाल में आम चुनाव के लिए अब तक 56 दलों का पंजीकरण

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव के लिए अब तक 56 राजनीतिक दल अपने नाम दर्ज करा चुके हैं। रविवार को नेपाली कांग्रेस समेत 12 और दलों ने पंजीकरण कराया। पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर है। नेपाल के निर्वाचन आयोग के मुताबिक, नए चुनाव की घोषणा के बाद उभरी कई नई पार्टियों सहित आयोग में कुल 132 दल पंजीकृत हैं, लेकिन इनमें से केवल 56 ने आम चुनाव में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक पंजीकरण कराया है।

वेनेजुएला में सुरक्षा हालात बिगड़े, एफएए की चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

कारकास, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहा है। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य विकल्पों को खुला रखते हुए बी-52 परमाणु-सक्षम बॉम्बर का 'अटैक डेमो' करवाया। इससे पहले यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड विमानवाहक पोत सहित कई युद्धपोत कैरेबियन क्षेत्र में तैनात कर चुका है। इस बीच अमेरिकी विमानन नियामक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र को लेकर अलर्ट जारी किया। वहीं अब रविवार (23 नवबंर) को कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला की उड़ानें रद्द कर दी है।

छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने उड़ान सेवा रोकी

संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से दक्षिण अमेरिकी देश के आसपास बढ़ी हुई सैन्य गतिविधि के कारण 'संभावित खतरनाक स्थिति' के बारे में प्रमुख एयरलाइनों को चेतावनी दिए जाने के बाद छह अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें निलंबित कर दी हैं। वेनेजुएला एयरलाइंस एसोसिएशन की अध्यक्ष मारिसेला डी लोआइजा के हवाले से बताया गया है कि स्पेन की इबेरिया, पुर्तगाल की टीएपी, चिली की लैटम, कोलंबिया की एवियनका, ब्राजील की जीओएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की कैरिबियन एयरलाइंस ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें रोक दी हैं।

अमेरिकी चेतावनी और सैन्य तैनाती

मारिसेला दे लोआइजा के मुताबिक इन छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने अपनी सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए रोक दी हैं। वहीं तुर्किश एयरलाइंस ने 24 से 28 नवंबर तक उड़ानें निलंबित करने की घोषणा की है। उड़ानों पर रोक ऐसे समय लगाई गई है, जब अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ गया है। वाशिंगटन ने अपने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत कैरिबियन में सैनिकों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत को भी तैनात कर दिया है। हालांकि, कराकस इस अभियान को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश बता रहा है।

अमेरिकी सेना ने कैरिबियन और प्रशांत क्षेत्र में कथित ड्रग नौकाओं पर कम से कम 21 हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 83 लोग मारे गए हैं। इस बीच कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए चिंता जताते हुए कहा कि सभी लैटिन अमेरिकी देशों के बीच नियमित उड़ानें जारी रहनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'देशों पर रोक लगाना, वास्तव में लोगों पर रोक लगाने जैसा है, और यह मानवता के खिलाफ अपराध है।'

एफएए की कड़ी चेतावनी

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) की ओर से चेतावनी में कहा था कि वेनेजुएला में 'अनिर्दिष्ट खतरे' मौजूद हैं, जो देश के ऊपर उड़ रहे विमानों, लैंडिंग और टेकऑफ कर रहे विमानों व जमीन पर खड़े विमानों तक के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

पाकिस्तान के पेशावर में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर धमाके, आत्मघाती हमले में तीन जवानों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को संघीय पुलिस दल (कॉन्स्टेबुलरी) के मुख्यालय पर हमला हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुख्यालय के पास कई धमाकों की आवाज सुनी गई, जिसके बाद इलाके को खाली करा लिया गया है।

पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में शामिल आत्मघाती हमलावरों को मार गिराया गया है। इस घटना में पुलिस दल के तीन जवानों की मौत हुई है। इसके अलावा दो घायल हुए हैं। पाकिस्तान की द डॉन वेबसाइट के मुताबिक, हमला सुबह करीब 8 बजे सद्दार-कोहत सड़क पर हुआ। पहले एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को मुख्यालय के गेट पर ही उड़ा लिया। इसके बाद कुछ फायरिंग की आवाजें भी सुनी गईं।

इस दौरान एक और हमलावर मुख्यालय में घुसने की कोशिश करने लगा। हालांकि, उसे सुरक्षाबलों ने मार गिराया। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और राहत-बचाव अभियान शुरू किया। इस बीच पेशावर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल लेडी रीडिंग हॉस्पिटल में आपातकाल घोषित कर दिया गया। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि छह घायलों को को लाया गया है, जिनकी हालत स्थिर है। बताया गया है कि जिस संघीय पुलिस दल पर हमला हुआ है, उसे नागरिक अर्धसैनिक बल है, जिसे पहले फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी कहा जाता था। इसी साल जुलाई में शहबाज शरीफ की सरकार ने इसका नाम फेडरल कॉन्स्टेबुलरी रखा था। पेशावर में जिस जगह पर इसका मुख्यालय है, वह जगह काफी भीड़भाड़ वाले इलाके में है। साथ ही सैन्य छावनी भी यहां से काफी नजदीक है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में बीते कुछ वर्षों में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में। इन हमलों में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ पाकिस्तान सरकार का शांति समझौता टूटना रहा है।

पाकिस्तान में पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर बंदूकधारियों ने किया हमला, 3 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को बंदूकधारियों ने पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कैंपस पर 2 आत्मघाती हमलावरों ने भी विस्फोट किया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 'पहले आत्मघाती हमलावर ने मेन गेट पर विस्फोट किया, जबकि दूसरा हमलावर परिसर के अंदर घुस गया।' सीनियर अधिकारी ने कहा, 'सेना और पुलिस की टीमों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। फिलहाल स्थिति को सावधानी से संभाला जा रहा है क्योंकि हमें संदेह है कि मुख्यालय के अंदर अभी भी कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। उनकी तलाशी की जा रही है।' इससे पहले, गुरुवार रात पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में उग्रवादियों ने पीस कमेटी के कार्यालय पर हमला किया। 2 सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि बंदूकधारियों ने बन्नू जिले के दारा दरिज इलाके में कमेटी के कार्यालय पर हमला किया और पीस कमेटी के प्रमुख कारी जलील के दफ्तर को निशाना बनाया।

वियतनाम में भारी बारिश से 90 की मौत, हजारों घर डूबे

हनोई, एजेंसी। द्व वियतनाम के पहाड़ी इलाकों में इस महीने की शुरुआत से हो रही भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हजारों घर पानी में डूब गए हैं और अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें डाक लाक प्रांत में सर्वाधिक 63 की मौतें हुई हैं, जबकि खान होआ में 14 और लाम डोंग में पांच मौतें दर्ज की गईं। पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक, भूस्खलन के कारण 12 से ज्यादा लोग लापता हैं। सड़कें बाधित होने से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है।

पाकिस्तान में दर्दनाक सड़क हादसे : स्वाबी और कराची में छह लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार को अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारी बयान के हवाले से मिली है। स्वाबी (खैबर पख्तूनख्वा) में एक बड़ा हादसा तब हुआ जब पेशावर से इस्लामाबाद जा रही एक यात्री वैन अनियंत्रित होकर नदी के पास गहरी खाई में गिर गई।

44 दिनों में 500 बार टूटा गाजा युद्धविराम! इस्राइल की कार्रवाई में 300 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में लागू किए गए गाजा युद्धविराम को इस्राइल ने पिछले 44 दिनों में लगभग 500 बार तोड़ा है, जिसमें सैकड़ों फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। यह दावा गाजा सरकार के मीडिया ऑफिस ने किया है, जिसकी रिपोर्ट अल जजीरा ने प्रकाशित की। जारी बयान के मुताबिक, 342 फलस्तीनी नागरिक युद्धविराम उल्लंघनों में मारे गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित रहे। सिर्फ शनिवार को ही इस्राइल की ओर से 27 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें 24 लोगों की मौत और 87 से ज्यादा लोग घायल हुए।

युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन : गाजा मीडिया ऑफिस ने इस्राइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि इन हमलों और नाकेबंदी के चलते इस्राइल मानविक और सुरक्षा स्थिति के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस्राइल अब भी गाजा में मानवीय सहायता और मेडिकल सप्लाई के प्रवेश पर कड़ी पाबंदी लगाए हुए है, जबकि युद्धविराम समझौते में इसकी अनुमति दी गई थी।

हालिया हमले में 24 फलस्तीनी मारे गए : शनिवार को इस्राइल ने गाजा के कई इलाकों पर हवाई हमले किए, जिनमें बच्चों सहित 24 फलस्तीनी मारे गए। इस्राइल ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब एक हमास लड़ाके ने तथाकथित येलो लाइन के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। इस्राइल ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में 5 वरिष्ठ हमास लड़ाकों को मार गिराया। हालांकि, हमास ने इस्राइल के इस दावे को चुनौती देते हुए सबूत पेश करने की मांग की है। हमास नेता इज़्ज़त अल-रिशेक ने कहा कि अमेरिका और समझौते के मध्यस्थ इस्राइल पर दबाव डालें, ताकि वह युद्धविराम समझौते का पालन करे। उधर, स्थानीय प्रशासन का कहना है कि गाजा के उत्तरी हिस्से में कई फिलिस्तीनी परिवार फंसे हुए हैं, क्योंकि इस्राइली सेना समझौते के विपरीत अपनी तैनाती और अंदर बढ़ाती जा रही है।

सरकारी खर्चों को घटाने के लिए ट्रंप का बनाया डीओजीई विभाग 10 महीने बाद बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। सरकारी खर्च को कम करने के उद्देश्य से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बनाया गया सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) अब बंद हो गया है। यह विभाग उसके कार्यकाल के आठ महीने शेष रहते ही भंग कर दिया गया है, जबकि इसका उद्देश्य जुलाई 2026 तक चलना था। डीओजीई ट्रंप की सरकार को छोटा करने और खर्च कम करने का एक बड़ा कदम माना जा रहा था, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इससे बहुत ज्यादा बचत नहीं हो पाया है। मामले में अमेरिकी कर्मचारियों के मामलों के प्रमुख स्कॉट कुपर ने बताया कि अब डीओजीई कोई केंद्रीय विभाग नहीं रहा। इसके कुछ काम अब कार्मिक प्रबंधन कार्यालय (ओपीएम) कर रही है। बता दें कि डीओजीई जनवरी में शुरू हुआ था। शुरू में यह पूरे वॉशिंगटन में सक्रिय था और सरकारी एजेंसियों को छोटा करने, बजट कम करने और ट्रंप की प्राथमिकताओं के अनुसार काम बदलने की कोशिश कर रहा था।

डीओजीई का प्रचार और विवाद : बीते दिनों डीओजीई ने दावा किया कि उसने अरबों डॉलर बचाए, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। एलन मस्क ने डीओजीई के काम को बड़े उत्साह के साथ प्रचारित किया और कहा कि यह ब्यूरोक्रेसी के लिए चेनसॉ है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दिन से सरकारी हायरिंग पर रोक थी। ऐसे में अब यह रोक खत्म हो गई है। डीओजीई के कई कर्मचारियों ने अब नए प्रशासनिक और तकनीकी रोल संभाल लिए हैं। वहीं ट्रंप की टीम अब नियम-कानूनों को कम करने और एआई के जरिए सरकारी नियमों की समीक्षा पर काम कर रही है।

प्रमुख लोगों ने संभाली नई भूमिका

डीओजीई के प्रमुख लोगों ने अब नई भूमिकाएं संभाल ली हैं। एयरबीएनबी के सह-संस्थापक जो गेबीआ अब राष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो का नेतृत्व कर रहे हैं और उनका काम सरकारी वेबसाइटों को और अधिक आकर्षक बनाना है। वहीं डीओजीई के अन्य कर्मचारी, जैसे एडवर्ड कोरिस्टिन, प्रशासन में नई जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उदाहरण के लिए, जाचरी टेरेल अब स्वास्थ्य और मानव सेवाएं विभाग के मुख्य तकनीकी अधिकारी हैं, जबकि राचेल रिले नौसेना अनुसंधान कार्यालय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पोते से मिलने कनाडा गए भारतीय बुजुर्ग पर किशोरियों के उत्पीड़न का आरोप, कोर्ट ने निर्वासन का आदेश दिया

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के सर्निया में 51 साल के भारतीय नागरिक जगजीत सिंह को दो किशोरियों को लगातार परेशान करने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। सिंह जुलाई में अपने नवजात पोते से मिलने कनाडा आए थे। अब उन्हें देश से निर्वासित किया जाएगा और भविष्य में कनाडा में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, सिंह ने स्कूल के बाहर धूम्रपान क्षेत्र में लड़कियों के पास जाना शुरू किया। आठ से 11 सितंबर के बीच उन्होंने लड़कियों से बार-बार फोटो लेने की कोशिश की और उनके साथ नशे और शराब के बारे में बातें कीं।

एक लड़की ने बताई आपबीती

मामले में एक लड़की ने बताया कि उसने पहले फोटो लेने से मना किया, लेकिन बाद में सिंह को शांत करने के लिए झिझकते हुए हां कर दी। इसके बाद सिंह ने लड़की के पास हाथ रखकर उसे असहज किया, जिसे लड़की ने हटा दिया। पुलिस ने बताया कि अंग्रेजी नहीं बोलने वाले जगजीत सिंह ने छात्राओं का पीछा भी किया। उन्हें 16 सितंबर को गिरफ्तार किया गया और यौन दुर्व्यवहार और यौन छेड़छाड़ के आरोप लगाए गए। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया, लेकिन नई शिकायत के बाद फिर गिरफ्तार किया गया।

क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए ठहराए गए दोषी

मामले में 19 सितंबर को सिंह ने यौन छेड़छाड़ के आरोप में दोषी नहीं होने की बात कही, लेकिन क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए दोषी ठहराए गए। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि सिंह का उस स्कूल के बाहर होना बिल्कुल गलत था।

जानें कौन-कौन सी सजा मिली?

बता दें कि सिंह को तीन साल की परिवीक्षा दी गई है। इसके तहत वे किसी भी लड़की से संपर्क नहीं कर सकते, उनके घर, स्कूल या काम की जगह के पास नहीं जा सकते। 16 साल से छोटे किसी भी बच्चे के पास नहीं रह सकते, सिर्फ अपने नवजात पोते को छोड़कर। इसके अलावा वे किसी स्कूल, पार्क, खेल का मैदान या समुदाय केंद्र के 100 मीटर के दायरे में नहीं जा सकते।

कौन लीक कर रहा था पाक के न्यूक्लियर सीक्रेट्स

मुशर्रफ से है कनेक्शन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआई के पूर्व ऑपरेशंस चीफ जेम्स लॉलर ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। इसके मुताबिक, पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान अन्य देशों को परमाणु तकनीक और सीक्रेट बेच रहे थे। इस बात की जानकारी मिलने पर तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति मुशर्रफ ने बड़ा नाटकीय व्यवहार किया था। उन्होंने कादिर खान के लिए गालियां तक बकी थीं। बाद में मुशर्रफ ने लंबे समय तक कादिर खान को उनके ही घर में नजरबंद रखा। बता दें कि सीआईए के पूर्व अधिकारी जेम्स लॉलर को अब्दुल कादिर खान के अंतराष्ट्रीय परमाणु तस्करी का खेल उजागर करने के लिए जाना जाता है। एएनआई के साथ इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि सीआईए के डायरेक्टर जॉर्ज टेनेट ने निजी तौर पर मुशर्रफ को कादिर खान की हरकतों की जानकारी दी थी। साथ ही उन्होंने पुख्ता सबूत भी पेश किए थे। इसमें बताया गया था कि खान परमाणु तकनीक से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां लीबिया जैसे देशों को बेच रहे हैं।

बता दें कि अब्दुल कादिर खान का नाम कई विवादों से जुड़ा रहा। इसमें परमाणु तकनीक के प्रसार और अवैध नेटवर्क के संचालन के आरोप शामिल हैं। इसके चलते उन्हें 2004 में नजरबंद भी किया गया था। उन्होंने बाद में इस नेटवर्क में अपनी भूमिका होने की बात मानी, लेकिन मुशर्रफ और बेनजीर भुट्टो पर भी आरोप लगाए। लॉलर के मुताबिक टेनेट ने मुशर्रफ को बताया कि

खान पाकिस्तान को धोखा दे रहे हैं। यह सुनते ही मुशर्रफ भड़क उठे थे। उन्होंने अब्दुल कादिर खान के लिए गंदी सी गाली निकालते हुए कहा, 'मैं उसे मार डालूंगा।' इसके बाद ही मुशर्रफ ने खान को कई साल के लिए हाउस-अरेस्ट कर लिया था। गौरतलब है कि एक्यू खान को मौतों का सौदागर कहा जाता था। लॉलेर ने बताया कि अमेरिकी एजेंसी लंबे समय तक निगरानी के बाद यह जानने में कामयाब हो गई थी कि वह पाकिस्तान को परमाणु संपन्न बना रहे हैं। हालांकि यह जानने में समय लगा कि वह इससे जुड़ी जानकारियां बाहर भी भेज रहे हैं। लॉलर बताते हैं कि इसी वजह से मैंने उसका नाम मौत का सौदागर रखा था। लॉलर ने बताया कि एक्यू खान का नेटवर्क ईरान के परमाणु कार्यक्रम पहुंच गया था। इसकी पुष्टि इस बात से हुई कि तेहरान ने पी1 और पी2 सेंट्रीफ्यूज डिजाइन का इस्तेमाल किया था, जो खान द्वारा तस्करी करके भेजा गया था। खान के नेटवर्क ने बैलिस्टिक मिसाइल और एक चीनी एटॉमिक बम का ब्लूप्रिंट भी भेजा था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान परमाणु संपन्न हो गया तो पूरे मिडिल ईस्ट में 'परमाणु महामारी' फैल जाएगी।

टेस्ट सीरीज में वापसी की आस पर पानी फिरा, भारत को मिला 549 रनों का महा-लक्ष्य, मुश्किल में टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा दिए गए 549 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने 21 रन पर दो विकेट गंवा दिए। टेस्ट सीरीज़ में 1-0 से पिछड़ रही भारतीय टीम के सामने कल एक कठिन चुनौती है क्योंकि टेस्ट के आखिरी दिन उसके पास केवल आठ विकेट ही बचे हैं। भारत ने चौथे दिन के आखिरी सत्र में विकेट गंवाए और गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच के आखिरी दिन दक्षिण अफ्रीका की स्थिति मजबूत है।

चौथे दिन स्टंप्स तक भारत का स्कोर 27/2 था, जिसमें कुलदीप यादव (4*) और साई सुदर्शन (2*) नाबाद थे। मेज़बान टीम को दो मैचों की सीरीज़ 1-1 से बराबर करने के लिए पाँचवें दिन 522 रनों की ज़रूरत है। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 26/0 से की और लंच तक 220/4 रन बनाकर ट्रिस्टन स्टब्स (60*) और वियान मुल्डर (29*) स्ट्राइक पर थे।

लंच के बाद के सत्र में नीतीश कुमार रेड्डी ने पहला चौका तब दिया जब स्टब्स ने 74वें ओवर की तीसरी गेंद पर उन्हें चार चौके जड़े। स्टब्स ने आक्रामक रुख अपनाया और 76वें ओवर में रेड्डी के खिलाफ लगातार दो चौके लगाए। 78वें ओवर में, प्रोटियाज़ बल्लेबाज़ ने रवींद्र जडेजा की गेंद पर डीप मिड-विकेट की बाउंड्री के ऊपर से एक गगनचुंबी छक्का जड़ा। 78वें ओवर की तीसरी गेंद पर, स्टब्स, जो अपने शतक की ओर बढ़ रहे थे, जडेजा की गेंद पर बोल्ड हो गए, जिन्होंने 180 गेंदों में 94 रन बनाए।

स्टब्स के आउट होने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने 260/5 पर अपनी पारी घोषित करने का फैसला किया और उन्होंने 549 रनों का मुश्किल लक्ष्य रखा। यह दूसरी बार है जब भारत को घरेलू टेस्ट में 500 से ज़्यादा रनों का लक्ष्य दिया गया है। इससे पहले 2004 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को जीत के लिए 543 रनों का लक्ष्य दिया था। वह मैच वे 342 रनों से हार गए थे, जो रनों के लिहाज़ से उनकी सबसे बड़ी हार है। भारतीय सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल और यशस्वी बल्लेबाज़ी करने उतरे। जायसवाल ने एक चौका और एक छक्का लगाकर आक्रामक रुख़ दिखाया, जबकि राहुल ने सतर्कता से शुरुआत की।

'दीप्ति शर्मा डब्ल्यूपीएल मेगा नीलामी में सबसे ज़्यादा डिमांड वाली खिलाड़ी होंगी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे टीमें टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 मेगा ऑक्शन की तैयारी कर रही हैं और अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं, सभी की नजरें भारत की टॉप ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और भरोसेमंद बैट्समैन हरलीन देओल पर हैं, जो उनकी लाइन-अप को मजबूत करेंगी। जियो हॉटस्टार के शो 'मोस्ट वांटेडः टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन' में एक्सपर्ट अंजुम चोपड़ा और वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड असर और हरलीन देओल की वैल्यू को खास भारतीय खिलाड़ियों के तौर पर बताया, जिन पर हर फ्रेंचाइजी करीब से नजर रखेगी।

अंजुम चोपड़ा ने अपनी राय साझा करते हुए कहा, 'गुजरात जायंट्स को मेगा-ऑक्शन में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में टारगेट कर सकती है जो बैटिंग और बॉलिंग दोनों को मजबूत करती है। गुजरात और दिल्ली के बाद यूपी वॉरियर्स उनकी सर्विस लेने में दिलचस्पी रखने वाली तीसरी टीम हो सकती है।'

गुजरात जायंट्स द्वारा हरलीन देओल को रिलीज किए जाने पर उन्होंने कहा, 'मुझे हैरानी है कि गुजरात जायंट्स ने हरलीन देओल को रिलीज किया। वह एक मल्टी-टैलेंटेड भारतीय खिलाड़ी है जो थोड़ी बॉलिंग भी कर सकती है, और मुझे उम्मीद है कि वह अपनी बॉलिंग स्किल्स को और डेवलप करेगी। ऑक्शन में उसमें अच्छी दिलचस्पी होगी। दीप्ति शर्मा के साथ, वह एक ऐसी भारतीय खिलाड़ी होगी जिसे हर फ्रेंचाइजी टारगेट करेगी क्योंकि टीमें मजबूत भारतीय बैट्समैन और संभावित लीडरशिप ऑप्शन चाहती हैं।'

वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा की स्किल्स की तारीफ की और बताया कि मेगा नीलामी में वह सबसे ज़्यादा डिमांड वाली प्लेयर क्यों होंगी। उन्होंने कहा,'दीप्ति शर्मा पिछले डब्ल्यूपीएल सीजन से एक जानी-मानी मैच-विनर हैं, उन्होंने बैट और बॉल दोनों से शानदार परफॉर्म किया है। उन्होंने हाल ही में खत्म हुए विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता। मेगा-ऑक्शन में उनकी डिमांड जरूर ज़्यादा होगी, और हर फ्रेंचाइज उन पर करीब से नजर रखेगी।% टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी 27 नवंबर को होगी जिसे जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीधे देखा जा सकता है।

शमी की फिर हुई उपेक्षा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त होने का संकेत तो नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक बार फिर अनदेखी हुई है। शमी को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। शमी लंबे समय से वापसी के लिए इंतजार रहे थे पर टीम में जगह नहीं मिलने से उनका इंतजार लंबा होता जा रहा है। इससे ये भी अटकलें लगायी जा रही हैं कि शमी अब लगता है चयन समिति की योजनाओं का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभी वह घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में शमी ने रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में बंगाल की ओर से 4 मैचों में 20 विकेट लिए थे और उन्हें सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए भी जगह मिली थी पर इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पायी है। जिससे कहा जा रहा है उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त हो गया है।

ये भी कहा जा रहा है कि जब शमी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार विकेट ले रहे हैं तो फिर उन्हें टीम में जगह क्यों नहीं मिल रही है। क्या चयन समित उसने अपनी नाराजगी निकला रही है। शमी ने कुछ समय पहले चयन समिति पर सवाल उठाये थे। तब मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने एक कार्यक्रम में बताया था कि उन्हें फिटनेस की वजह से टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है। इसके बाद . शमी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं और इसी कारण घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया गया है। फिलहाल ये दोनों तेज गेंदबाज टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। ऐसे में शमी को अवसर दिया जाना था पर ऐसा नहीं हुआ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी करेंगे पृथ्वी शॉ, आईपीएल में वापसी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ एक ऐसा नाम जिसे कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में गिना जाता था और अब अपने करियर को फिर से जीवित करने के निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। बीते कुछ वर्षों में खराब फॉर्म, फिटनेस चुनौतियों और ऑफ-फील्ड विवादों ने उनकी प्रगति को गहरी चोट पहुंचाई। लेकिन 2025-26 घरेलू सीजन से पहले महाराष्ट्र में शिफ्ट होकर शॉ ने अपने लिए नई शुरुआत का रास्ता चुना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां वे दोबारा साबित कर सकते हैं कि उनका टैलेंट अब भी उतना ही खतरनाक है।

पृथ्वी शॉ की नई शुरुआत : बदलाव जिसने सबका ध्यान खींचा

मुंबई क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे पृथ्वी शॉ ने पहली बार अपने घरेलू करियर की दिशा बदलते हुए महाराष्ट्र को चुना। यह कदम न केवल उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि वे एक स्वच्छ शुरुआत और बेहतर अवसर की तलाश में हैं। वर्षों की अस्थिरता और टीम चयन में लगातार गिरावट के बाद यह बदलाव उनके करियर का अहम मोड़ माना जा रहा है।

SMAT: करियर को पटरी पर लाने का सुनहरा मौका

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT), जो टी20 फॉर्मेट में भारत के सबसे बड़े घरेलू टूर्नामेंटों में से एक है, शॉ के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। कल से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट उनके लिए सिर्फ रन बनाने का अवसर नहीं, बल्कि यह दिखाने का मंच है कि वे वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। IPL 2025 के मिनी ऑक्शन को देखते हुए हर पारी, हर रन और हर स्ट्राइक-रेट उनकी बोली पर सीधा प्रभाव डालेगा।

IPL ऑक्शन में झटका और अब उम्मीद की नई किरण

पिछले साल के IPL ऑक्शन में किसी भी टीम ने पृथ्वी शॉ पर बोली नहीं लगाई। यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर झटका नहीं, बल्कि एक संकेत था कि उनके मार्केट वैल्यू में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अब उनकी नज़र SMAT में दमदार प्रदर्शन पर है। अगर वे अपनी पुरानी आक्रामक बैटिंग शैली और कंसिस्टेंसी वापस लेकर आते हैं, तो IPL टीमों का ध्यान उनकी ओर लौट सकता है, खासकर वे फ्रेंचाइजी जो भारतीय ओपनर की तलाश में हैं और विदेशी स्लॉट बचाना चाहती हैं।

लीडरशिप की जिम्मेदारी

इस बार पृथ्वी शॉ को सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि कप्तान की भूमिका भी निभानी है। रुतुराज गायकवाड़ राष्ट्रीय टीम के लिए चयनित होने के कारण महाराष्ट्र की कप्तानी ग्रुप स्टेज तक शॉ को सौंपी गई है। यह भूमिका उनके व्यक्तित्व, मैच्योरिटी और गेम अवेयरनेस को उजागर करने का शानदार मौका है, वे गुण जिन्हें IPL टीमें बहुत महत्व देती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स से शुरुआत और विस्फोटक IPL रिकॉर्ड

शॉ ने IPL में अपने सातों सीजन दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेले, जहां उन्होंने 1,892 रन बनाए और 147 की स्ट्राइक-रेट से गेंदबाजों पर हावी रहे। पावरप्ले में तेज शुरुआत दिलाने की उनकी क्षमता आज भी कई टीमों के लिए अमूल्य है। अगर वे पुराना फ्लो वापस पाते हैं, तो IPL 2026 से पहले उनका क्रिकेट करियर दोबारा नई उड़ान पकड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन वाइल्ड कार्ड प्लेऑफ में सुमित नागल की जीत के साथ शुरूआत

चेंगडू । भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2.6, 6.0, 6.2 से जीत दर्ज की । नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में आस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिये पुरूष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे । नागल को शुरूआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी। बाद में मसला सुलझने पर वह यहां आ सके । अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त बू युंचाओकेते और जिजियांग यांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा ।

भारत में खेलकर उत्साहित हैं मुथुसामी

नई दिल्ली । गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में शानदार शतक लगाने दक्षिण अफ्रीका टीम के भारतीय मूल के ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी ने कहा है कि भारत में खेलकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। मुथुसामी ने कहा है कि साल 2019 में भारत दौरे के बाद उन्हें लगा था कि अब उन्हें यहां कभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का कोई अवसर फिर कभी नहीं मिल पाएगा क्योंकि तब वह दो विकेट ही ले पाये थे। इसलिए वह इस बार के भारत दौरे से बेहद उत्साहित हैं । अब 6 साल बाद मुथुसामी ने भारत दौरे में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है । उन्होंने कहा कि उपमहाद्वीप के हालातों को हमने बेहतर ढंग से सामझा है । मुथुसामी ने इस साल पाकिस्तान दौरे में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले टेस्ट में ही 11 विकेट लिए थे । वहीं दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे समय में खेली जब टीम ने 201 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे । मुथुसामी ने कहा, 'मेरी यात्रा अलग प्रकार की रही है । साल 2019 में भारत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया पर अधिक सफलता नहीं मिली हालांकि क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते ।' उन्होंने कहा, 'लेकिन 2019 के बाद मुझे भरोसा नहीं था कि मैं कभी टेस्ट क्रिकेट खेल पाऊंगा । और भारत में खेलने के बारे में तो बिल्कुल भी भरोसा नहीं था । ' मुथुसामी ने कहा, ' मैं बस उस समर्थन के लिए आभारी हूं जो मुझे कोचों, परिवार और सहयोगी स्टाफ से मिला ।' साल 2019 की पदार्पण सीरीज के बाद उन्हें चार साल बाद टीम में जगह मिली। इस बीच उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था ।

सुल्तान अजलान शाह कप : बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से हारा भारत

इपोह (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने मंगलवार को मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में बेल्जियम के खिलाफ फाइटिंग परफॉर्मेंस दी, लेकिन 3-2 से हार गई। सुल्तान अजलान शाह स्टेडियम में हुआ यह हॉकी मैच पहले सोमवार को होना था, लेकिन भारी बारिश की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। भारत के लिए अभिषेक (33') और शिलानंद लाकड़ा (57') ने गोल किए, जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17', 57') और निकोलस डी कर्पेल (45') गोल करने वाले खिलाड़ी थे।

सातवें नंबर की टीम भारत ने पक्के इरादे से शुरुआत की, दुनिया की नंबर 3 बेल्जियम को दूर रखा और शुरुआती दबाव का सामना किया। भारतीय गोलकीपर पवन को रीस्टार्ट के दोनों तरफ एक्शन में लाया गया, जिससे उनकी टीम बराबरी पर रही और वे लगातार गेम में आगे बढ़ते रहे। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर से पहला असली मौका मिला, और जल्द ही उन्होंने दूसरा मौका भी बनाया। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खड़े होकर यह पक्का किया कि वे पहले क्वार्टर के बाद बराबरी पर रहें।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत फ्रंट फुट पर की और मौके की तलाश में अच्छे पास दिए। हालांकि, बेल्जियम ने खेल के दौरान बढ़त बना ली, और रोमन डुवेकोट के गोल की मदद से पवन की रुकावट को तोड़ दिया। तुरंत जवाब की तलाश में, दिलप्रीत सिंह ने भारत के लिए एक अच्छा मूव पूरा किया लेकिन खतरनाक खेल के कारण गोल रद्द कर दिया गया। भारत के ज़ोर लगाने और जांच करने के बावजूद, बेल्जियम ने हाफ टाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भारत ने शुरुआत से ही जोरदार शुरुआत की और अभिषेक के शानदार मूव को गोल में बदलकर बराबरी हासिल की।

मोमेंटम के साथ भारतीयों ने दूसरे गोल की तलाश में बेल्जियम पर दबाव बनाया। हालांकि, निकोलस डी कर्पेल (45') ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को बढ़त वापस दिला दी। उन्होंने जल्द ही अपनी बढ़त बढ़ा ली, चौथे क्वार्टर की शुरुआत में रोमन डुवेकोट ने गोल करके बेल्जियम को कुछ राहत दी। भारत ने एक बार फिर तुरंत जवाब देने की कोशिश की और 10 मिनट से भी कम समय में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के करीब पहुंच गया।

शिलानंद लाकड़ा ने कुछ देर बाद रबीचंद्र सिंह के शानदार क्रॉस पर गोल करके भारत को उम्मीद की एक किरण दी। जब मैच खत्म होने में 90 सेकंड बाकी थे, मोहित एचएस ने शानदार स्टॉप लगाकर बेल्जियम को चौथा गोल करने से रोक दिया और भारत को रेस में बनाए रखा। हालांकि, इस कड़े मुकाबले में भारत बराबरी का गोल नहीं कर पाया। पांच बार का सुल्तान अजलान शाह कप विजेता भारत अब बुधवार को मेजबान मलेशिया से खेलेगा।

विराट को टेस्ट नहीं एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था : श्रीवत्स गोस्वामी

गुवाहाटी । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेटर खेलना जारी रखना था । गोस्वामी ने कहा कि विराट को टेस्ट की जगह पर एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था । गोस्वामी ने कहा है कि और एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले श्रीवत्स ने सोशल मीडिया में कहा कि विराट को टेस्ट क्रिकेट नहीं छोड़ना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम इंडिया की खराब बल्लेबाजी के बाद गोस्वामी ने कहा कि कोहली का टेस्ट से अचानक संन्यास लेना भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहा है । गोस्वामी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, मेरा मानना है कि विराट को एकदिवसीय खेलना छोड़ देना चाहिए था और टेस्ट क्रिकेट तब तक खेलते रहना चाहिए था, जब तक कि उनका फार्म बरकरार था । एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी ऊर्जा, भारत के लिए खेलने का प्यार और जुनून टीम को हर हाल में जीतने को प्रौत्साहित करता है । गोस्वामी ने साथ ही लिखा, विराट के अंदर जीतने की जो मानसिकता और जोश था, वह वर्तमान टीम में नहीं है । गौरतलब है कि कोहली का कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में काफी अच्छा रिकॉर्ड शानदार रहा है । उन्होंने 68 टेस्ट मुकाबलों में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए 40 मुकाबले जीते जबकि 17 मैचों में उन्हें हार झेलनी पड़ी । विराट ने इस साल 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था । कोहली ने अंतिम बार बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 खेली थी जिसमें वह केवल एक शतक ही लगा पाए थे । उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले अचानक ही संन्यास ले लिया था ।

रोहित और विराट की जोड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में बनाएगी रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते नजर आयेंगे । इस सीरीज में प्रशंसकों को विराट और रोहित को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा । अब 30 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रोहित और विराट की जोड़ी सबसे अधिक मैच खेलने का एक नया रिकार्ड अपने नाम करेगी । रोहित और विराट ने अभी तक 391 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं । किसी जोड़ी के यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल सबसे अधिक मैच हैं । रोहित और कोहली के अलावा सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने भी इतने ही मैच खेले थे । ऐसे में जब रोहित और विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय खेलने मैदान पर उतरेंगे तो वह तेंदुलकर और द्रविड़ के इस रिकॉर्ड को तोड़ देंगे । रोहित–कोहली की जोड़ी इस मैच में उतरते ही भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली जोड़ी बन जाएगी । सचिन और सौरव गांगुली की जोड़ी 341 मैचों में एकसाथ उतरी थी । वहीं सचिन और अजहर की जोड़ी 292 मैचों में उतरी । विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी की जोड़ी 285 मैचों में उतरी ।

पलाश की बहन बोली , मंधाना और हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें

इंदौर । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने के कारण उनकी शादी टल गयी है । इसी मामले को लेकर अब स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की बहन पलक ने लिखा है कि शादी टल गयी है । इस संवेदनशील समय में हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें । स्मृति की शादी का कार्यक्रम रविवार को था पर उनके पिता को सीने में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा जिसके बाद स्मृति के पिता को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और शादी की तैयारियां रोक दी गयीं । इसके बाद स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की तबीयत भी खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें भी अस्पताल ले जाना पड़ा हालांकि कुछ समय में इलाज के बाद वह होटल लौट आये । .पलाश को वायरल संक्रमण और एसिडिटी बढ़ने के कारण एक निज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था । इलाज के बाद पलाश को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है । वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर नमन शाह ने बताया कि उनकी सेहत की निगरानी के लिए मेडिकल टीम तैनात है । अगर उनकी तबीयत में जरूरी सुधार होता है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी । अचानक आई इन मुसीबतों से परिवार उबर रहा है और चाहता है कि इन क्षणों में उसकी निजता का सम्मान किया जाये ।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : सुरेश रैना ने गौतम गंभीर का किया बचाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है।

दो मैचों की इस श्रृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा, 'गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा। उनके नेतृत्व में हम सीमित ओवरों के प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां हमने इस साल की शुरुआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दुबई में एशिया कप जीता था।'

'भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग' के जर्सी लॉन्च के मौके पर इसके ब्रांड एम्बेस्डर रैना ने कहा, 'रन तो खिलाड़ियों को ही बनाने होंगे। कोच मार्गदर्शन और सलाह ही दे सकता है।' रैना ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि घरेलू टेस्ट मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण मुख्य कोच के रूप में गंभीर का भविष्य खतरे में है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को अगर कोई समस्या आ रही है, तो उन्हें कोच से इस बारे में बात करना चाहिए। खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो कोच की भी सराहना की जाएगी। लेकिन टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है, तो कोच को उसके पद से बर्खास्त नहीं किया जाना चाहिए।'

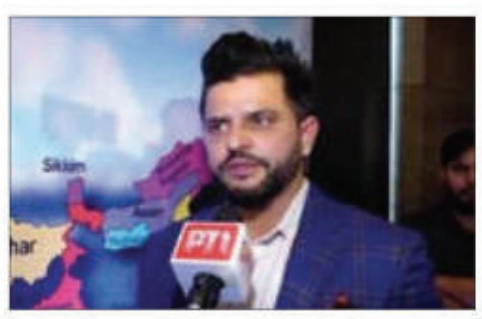

उन्होंने कहा, 'मैं गौतम भैया के साथ खेला हूं, उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से प्यार है, उन्हें क्रिकेट से प्यार है, मैंने उनके साथ विश्व कप खेला है और जीता भी है। उन्होंने देश के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और अच्छा प्रदर्शन करना खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है।' मौजूदा श्रृंखला में भारतीय टीम के चयन से जुड़े फैसलों की आलोचना पर रैना ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन ही मानक बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को नियमित रूप से घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए और वहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, अगर वे अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन में अपने आप दिखाई देगा।'

उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में खिलाड़ियों के लिए तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से सामंजस्य बिठाना काफी चुनौतीपूर्ण है। व्यस्त कार्यक्रम का असर प्रदर्शन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'इस श्रृंखला के लिए बेहतर योजना बनाई जा सकती थी क्योंकि खिलाड़ियों को सफेद गेंद (सीमित ओवर) प्रारूप से लाल गेंद (टेस्ट) प्रारूप में ढलने का काफी कम समय मिला।'

रैना ने कहा कि वह 30 नवंबर से शुरू होने वाली दोनों टीमों के बीच वनडे श्रृंखला का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें टीम को बेहर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का साथ मिलेगा। उन्होंने कहा, 'रो-को (रोहित शर्मा और विराट कोहली)' जरूर वापसी करेंगे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे टीम को जरूर मजबूत करेंगे। ये दोनों विश्व और भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन दूत हैं। जब वे टीम में होंगे तो माहौल अलग होगा, ऋषभ पंत भी कुछ समय बाद वापसी कर रहे हैं, इसलिए वनडे श्रृंखला देखना मजेदार होगा।'

दो दीवाने शहर में फिल्म ने मुझे मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की

बॉलीवुड में रोमांस और दिल छू लेने वाली कहानियों को हमेशा खास जगह दी जाती है। इस कड़ी में संजय लीला भंसाली का प्रोडक्शन एक ऐसी ही फिल्म लेकर आ रहा है, जिसका नाम है दो दीवाने शहर में। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर लीड रोल में नजर आएंगे।

इस फिल्म को रवि उद्यावर डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म के बारे में सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, जब मैं दो दीवाने शहर में फिल्म की शूटिंग कर रहा था, उस समय मैं अपने निजी जीवन में कुछ मुश्किल भरे दौर से गुजर रहा था। मेरे लिए यह फिल्म सिर्फ एक काम नहीं थी; यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मुझे क्रिएटिविटी के तौर पर चुनौती दी और व्यक्तिगत रूप से मुझे उन मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की। सिद्धांत ने बताया कि फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है और उम्मीद जताई कि शूटिंग के दौरान जो जुड़ाव उन्होंने महसूस किया, वही फिल्म देखने के दौरान दर्शक भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा, कहते हैं कि परफेक्ट जैसा कुछ नहीं होता। बस आपको किसी ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो आपके लिए दुनिया से लड़ सके और आप भी उनके लिए हमेशा खड़े रहें। फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसे दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी बताया। फिल्म की घोषणा करते हुए भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी... इस वैलेंटाइन डे आपको इश्क से इश्क हो जाएगा। दो दीवाने शहर में 29 फरवरी 2026 को रिलीज हो रही है। संजय लीला भंसाली इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, और उनके साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी इस प्रोजेक्ट में हैं। फिल्म रवि उद्यावर फिल्म्स के सहयोग से बनाई जा रही है।

द फैमली मैन 3 में अपने किरदार पर बोलीं निमरत कौर

मनोज बाजपेयी की अदाकारी वाली वेब सीरीज द फैमिली मैन 3 प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री निमरत कौर ने इस सीरीज में अहम रोल अदा किया है। अपने रोल के बारे में उन्होंने कई बातें कही हैं। उनके मुताबिक द फैमिली मैन के नए सीजन में मीरा की भूमिका निभाना एक रोमांचक मौका था।

सीरीज में कैसा है निमरत का किरदार?

कौर ने फिल्म द लंचबॉक्स, एयरलिफ्ट और दसवीं में बेहतरीन अभिनय किया है। निमरत कौर द फैमिली मैन 3 में श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेयी) की दुश्मन हैं। जयदीप अहलावत के साथ उन्होंने विलेन का रोल किया है। अपने किरदार के बारे में निमरत ने कहा वह एक कड़वी चॉकलेट है, एक कैरेक्टर के तौर पर बहुत स्वादिष्ट है। वह आम इंसान की पहुंच से दूर है। कौर ने आगे कहा कि उन्हें अपने किसी भी आने वाले प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिएक्शन कभी नहीं मिला, जितना उन्हें तब मिला जब उन्होंने बताया कि वह द फैमिली मैन 3 का हिस्सा हैं।

शो ऑफ करने लगीं

निमरत कौर ने कहा शुरू में मैं धीरे से जवाब देती थी क्योंकि मैं आम तौर पर शांत रहने वाली इंसान हूं। बाद में, मुझे समझ आया कि मुझे हर किसी से, परिवार से, दोस्तों से और लोगों से अच्छा रिएक्शन मिल रहा है। फिर मैंने शो ऑफ करना शुरू कर दिया। जब कोई मुझसे पूछता आप आगे क्या करने वाली हो? तो मैं कहती मैं द फैमिली मैन 3 करने वाली हूं। ऐसे रोल का इंतजार रहता है

अपने किरदार के बारे में कहा

ये ऐसा किरदार है जिसे आपको बनाना होता है, ये आपको दिया जाता है। इसके बाद उम्मीद की जाती है कि आप इसके साथ न्याय करें। इसलिए, मैं हमेशा ऐसे रोल का इंतजार करती हूं, मुझे ऐसे सेट पर बहुत मजा आता है।

सीरीज में हैं ये कलाकार

द फैमिली मैन 3 में शारिब हाशमी, प्रियामणि, अश्लेषा ठाकुर, वेदांत सिन्हा, श्रेया धनवंतरी और गुल पनाग हैं। सीरीज पर दर्शक अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

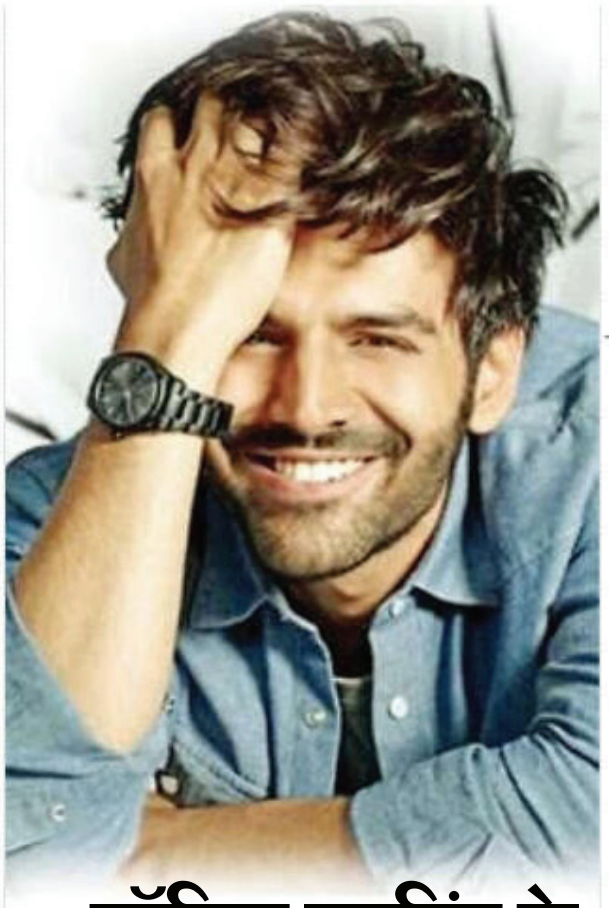

कॉमिक टाइमिंग के जादूगर, जानें कैसे बने बॉलीवुड के रोम-कॉम किंग

बॉलीवुड में कुछ ऐसे कलाकार होते हैं जो अपने चेहरे की मासूमियत, हंसी और स्क्रीन पर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। कार्तिक आर्यन ऐसे ही एक कलाकार हैं, जिन्होंने रोमांस और कॉमेडी से बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया है। उनकी फिल्में दर्शकों का लंबे समय से मनोरंजन करती आई हैं। उनकी फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ ह्यूमर का जबरदस्त मेल देखने को मिलता है, जिसके चलते उन्हें आज बॉलीवुड का रोम-कॉम किंग कहा जाता है। कार्तिक आर्यन का जन्म 22 नवंबर 1990 को मध्य प्रदेश के शहर ग्वालियर में हुआ। उनका असली नाम कार्तिक तिवारी है, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में आने के लिए अपना सरनेम बदलकर आर्यन रख लिया। उनके माता-पिता दोनों डॉक्टर हैं, इसलिए उनके परिवार की पहली इच्छा थी कि कार्तिक भी डॉक्टर बने। लेकिन कार्तिक के दिल में फिल्मी दुनिया का सपना था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे एक्टिंग की ओर भी आकर्षित होते गए। 2011 में कार्तिक आर्यन ने बॉलीवुड में कदम रखा और प्यार का पंचनामा फिल्म से डेब्यू किया। इस फिल्म में उनका किरदार रजत नाम के लड़के का और उन्होंने एक सीन में लगभग पांच मिनट का लंबा मोनोलॉग बिना रुके कहा। यह मोनोलॉग आज भी बॉलीवुड की यादगार पलों में गिना जाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और कार्तिक की प्रतिभा को खूब सराहा गया। इस मूवी ने उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में दरवाजे खोल दिए।

इसके बाद उन्होंने कई रोमांटिक फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी असली पहचान तब बनी जब उन्होंने प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, और लुका छुपी जैसी फिल्में की। इन फिल्मों में उन्होंने अपने कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया। सोनू के टीटू की स्वीटी में उनका किरदार ऐसा था जो दर्शकों के दिलों में तुरंत उतर गया। लुका छुपी में उनकी मासूमियत और मजेदार अंदाज ने फिल्म को और भी हिट बनाया। इन फिल्मों के जरिये कार्तिक ने साबित किया कि वह सिर्फ रोमांटिक हीरो नहीं, बल्कि कॉमेडी में भी माहिर हैं। कार्तिक आर्यन ने इसके अलावा पती-पत्नी और वो जैसी फिल्मों में भी शानदार प्रदर्शन किया। कॉमेडी के साथ-साथ कार्तिक ने भूल भुलैया 2 और भूल भुलैया 3 जैसी हॉरर-कॉमेडी फिल्में भी की, जो सुपरहिट रहीं। इसके अलावा, उन्होंने धमाका और फ्रेडी जैसी फिल्में कर करके अपने अभिनय की सीमा को और बढ़ाया। धमाका में उन्होंने एक जर्नलिस्ट का किरदार निभाया, जबकि फ्रेडी में वह एक शर्मीले और शांत डेंटिस्ट बने, जिसमें उनका डार्क और सस्पेंस से भरा अंदाज देखने को मिला।

करियर में अपनी मेहनत और अभिनय से उन्होंने कई पुरस्कार भी जीते। उन्हें स्टारडस्ट अवार्ड, जी सिने अवार्ड्स, आईफा, और फिल्मफेयर आदि में नामांकन और पुरस्कार मिल चुके हैं। हाल ही में उन्हें भूल भुलैया 3 और चंदू चैंपियन के लिए भी कई पुरस्कार मिले।

नए शो में हितेन तेजवानी के साथ काम करेंगी मोनालिसा

अभिनेत्री मोनालिसा ने 21 नवंबर को अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाया। अपने स्पेशल दिन पर भी मोनालिसा ने काम किया, आखिर मामला नए शो का जो है। मोनालिसा ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने नए शो पर अपडेट दिया है, जिसमें वे हितेन तेजवानी के साथ काम करेंगी। मोनालिसा ने लिखा, यह जन्मदिन नई शुरुआत के साथ खास रहा, वर्किंग बर्थडे, मिलिए सूर्या और शनाया से, एक नया किरदार शानदार को-एक्टर के साथ शो में। क्योंकि सास भी कभी बहू थी फेम हितेन के साथ काम करते हुए मोनालिसा ने कहा, शानदार अनुभव रहा। हितेन ने भी लिखा है, शुक्रिया मोना जी, धमाल करते हैं। मोनालिसा ने बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज भी शेयर की हैं, जिनमें अपने पति के साथ नजर आ रही हैं।

राशी खन्ना ने फरहान अख्तर को बताया शानदार इंसान

एक्ट्रेस राशी खन्ना इन दिनों अपनी नई फिल्म '120 बहादुर' को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म आज यानी शुक्रवार को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रिलीज के साथ ही राशी ने न केवल अपने को-स्टार फरहान अख्तर की तारीफ की बल्कि दर्शकों से फिल्म के लिए प्यार भी मांगा। इंस्टाग्राम पर बीटीएस तस्वीरों को पोस्ट करते हुए राशी खन्ना ने को-स्टार और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर की जमकर तारीफ की। राशी ने फरहान के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए फिल्म में अपने किरदार का जिक्र करते हुए लिखा, फरहान सर के साथ शगुन शैतान सिंह का रोल करना ऐसा लगा जैसे किसी ऐसी जगह पर कदम रख दिया हो, जहां सब कुछ अच्छा और आसान हो गया हो। उनमें एक शांत, समझदार इंसानियत है, जो आपको सबसे इंटेंस सीन में भी सुरक्षित महसूस कराती है। अभिनेत्री ने फरहान का आभार जताते हुए आगे लिखा कि फरहान के साथ बिताए हर पल के लिए वह शुक्रगुजार हैं। साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी जोड़ा कि उन सभी मौकों के लिए भी धन्यवाद, जब फरहान सर ने जरूरत पड़ने पर उन्हें हंसाया। राशी ने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा, 120 बहादुर हमारी फिल्म अब आपकी है। प्लीज जाइए, अपना प्यार बरसाइए। फिल्म की कहानी रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है, जहां 120 भारतीय सैनिकों ने 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ डटकर मुकाबला किया। यह फिल्म सैनिकों की वीरता और देशभक्ति की भावना को शानदार तरीके से पर्दे पर पेश करती है। 120 बहादुर को एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैपी स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रजनीश घई के निर्देशन में बनी फिल्म में राशी खन्ना ने शगुन का किरदार निभाया है, जबकि फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह के रोल में हैं। झ

रोमांटिक हीरो बनकर लौट रहा हूं, यह मेरे लिए नई शुरुआत है

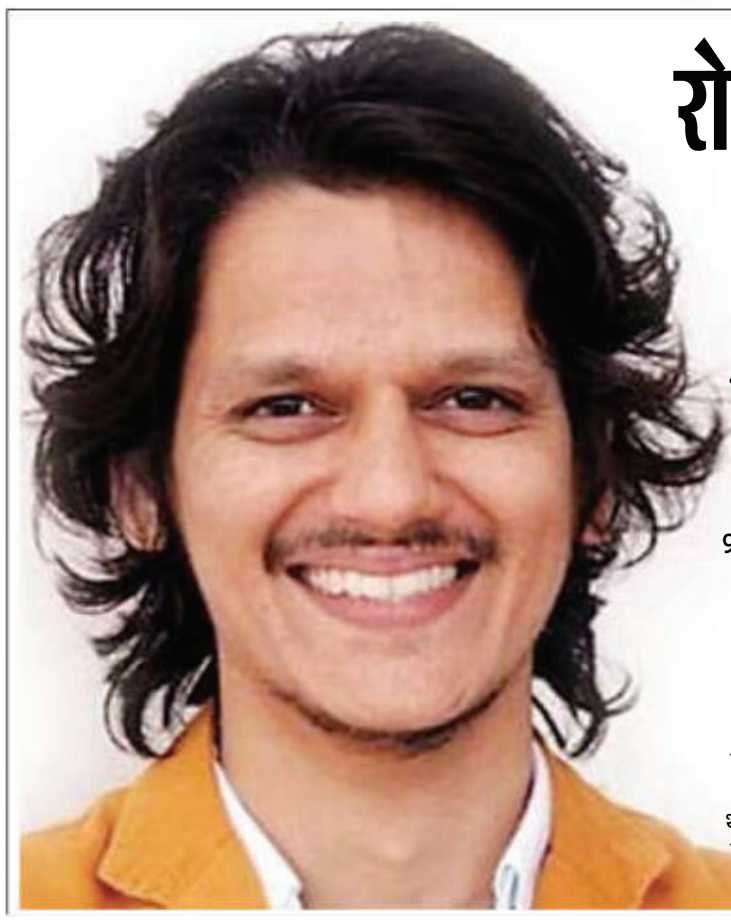

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में विजय ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?

90 के दशक की बहुत सी यादें हैं। हर चीज में अपना अलग मजा था। मौसम का, फिल्म देखने का, थिएटर की लाइन में लगने तक का। उस समय हर चीज के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन लोग उस इंतजार को भी एन्जॉय करते थे। लाइट चली जाती थी तो परिवार या दोस्तों के साथ बातें करते थे, पुराने फोटो एल्बम देखते थे, छोटी-छोटी खुशियां मनाते थे। वही पुरानी खूबसूरत यादें इस फिल्म में फिर से देखने को मिलेंगी।

स्कूल टाइम में जो मासूम प्यार होता था, वो एकतरफा था या दोतरफा? कोई अनुभव शेयर करें?

एकतरफा ही था, क्योंकि कभी बात नहीं की। शायद दोतरफा भी हो, लेकिन मौका ही नहीं मिला।

आपने कभी अपने दिल की बात कही थी?

स्कूल के समय मैं बहुत शर्मीला था, किसी से ज्यादा बात नहीं करता था। 18 साल की उम्र में पहली बार किसी लड़की से बात हुई। उसने खुद मुझे एक चिट्ठी भेजी थी, जिसमें लिखा था- तुम चेक शर्ट में अच्छे लगते हो। इसके बाद हम दोस्त बने, फिर कुछ सालों बाद हमारी डेटिंग शुरू हुई। कुछ समय बाद हमारा रिश्ता खत्म हो गया, और उसके बाद मैं पढ़ाई के लिए पुणे के एफटीआई चला गया।

नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? सुना है, एफटीआईआई में उनकी वर्कशॉप में आप नहीं जा पाए थे, क्या कहानी है?

जब मैं एफटीआई में था, तब नसीर साहब की वर्कशॉप हमारे बैच में नहीं हुई थी। अगले बैच में उनकी वर्कशॉप रखी गई, तो मैं और मेरा एक दोस्त पुणे चले गए। हमने सोचा था कि क्लास में बैठ जाएंगे, लेकिन वहां जाने की अनुमति नहीं मिली क्योंकि वो दूसरे बैच की वर्कशॉप थी। हम बाहर ही पूरा दिन बैठे रहे, बस उनसे मिलने की उम्मीद में। शाम को जब नसीर साहब ने देखा कि हम अब भी बाहर बैठे हैं, तो मुस्कुराकर बोले, कल सुबह 9 बजे आ जाना। इसी तरह हमें उनकी वर्कशॉप में शामिल होने का मौका मिल गया।

विजय आप अपनी को-स्टार फातिमा के बारे में क्या कहेंगे?

फातिमा बहुत डाउन टू अर्थ और सिंपल हैं। बिल्कुल भी एटीट्यूड नहीं है, बड़ी फिल्मों में काम करने के बावजूद बहुत ग्राउंडेड है।

हाल में आपने ओटीटी पर कई अच्छे रोल किए, अब फिर रोमांटिक हीरो बनकर लौट रहे हैं, कैसा लग रहा है?

बहुत नया महसूस हो रहा है, जैसे एक्टर के तौर पर दोबारा जन्म ले रहा हूं। मेरी फिल्में काफी समय बाद थिएटर में आ रही हैं, वो भी बतौर लीड। तो यह मेरे लिए नई शुरुआत है। बस चाहता हूं कि ऑडियंस का प्यार और सपोर्ट मिले ताकि आगे बढ़ता रहूं।

संक्षिप्त समाचार

अरुणाचल में जन्मी महिला का पासपोर्ट इनवैलिड बताया

बीजिंग। ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय मूल की महिला पेम वांगजॉम ने आरोप लगाया है कि चीन के शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें घंटों तक रोके रखा और परेशान किया। इंडिया टुडे से बात करते हुए प्रेमा ने कहा कि चीनी अधिकारियों ने उनका भारतीय पासपोर्ट मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसमें जन्मस्थान के तौर पर अरूणाचल प्रदेश लिखा हुआ था। वह 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थी। शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट पर उनका 3 घंटे का ट्रांजिट था।

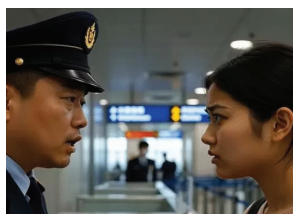

पेम ने आरोप लगाया कि इमिग्रेशन काउंटर पर अधिकारियों ने उनका पासपोर्ट 'इनवैलिड' बता दिया और कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है। उनसे 18 घंटे पूछताछ की गई और उनका मजाक उड़ाया गया। पेम ने पीएम मोदी और दूसरे सीनियर अधिकारियों को इससे जुड़ी शिकायती चिट्ठी लिखी है और इस बर्ताव को भारत की संप्रभुता और अरूणाचल प्रदेश के नागरिकों का अपमान बताया है। पेम ने आरोप लगाया कि उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया और लीगल वीजा होने के बावजूद उन्हें जापान जाने वाली अगली फ्लाइट में चढ़ने नहीं दिया गया। पेम ने यह भी आरोप लगाया कि वहां मौजूद कई इमिग्रेशन अधिकारी और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के कर्मचारी उनके साथ मजाक करते रहे, हंसते रहे और उससे चीनी पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने का तंज कसा। पेम ने कहा कि जो 3 घंटे का ट्रांजिट होना चाहिए था वह उसके लिए 18 घंटे का परेशान करने वाला हादसा बन गया। उसने कहा कि इस दौरान उसे न सही जानकारी दी गई, न ठीक से खाना मिला और न ही एयरपोर्ट की सुविधाएं इस्तेमाल करने दी गईं।

एफबीआई चीफ ने गर्लफ्रेंड को कमांडो सुरक्षा दिलवाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी FBI के भारतवंशी डायरेक्टर काश पटेल गर्लफ्रेंड को सरकारी सुरक्षा दिलवाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को SWAT कमांडो (स्पेशल वेपन एंड टेक्टिस) सुरक्षा दी और सरकारी रिसोर्स का गलत इस्तेमाल किया। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने 12 प्राइवेट टूर के लिए सरकारी जेट का इस्तेमाल किया। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या वे टैक्सपेयर्स के पैसों से मिलने वाले रिसोर्स को निजी रिश्ते पर खर्च कर रहे हैं। विवाद की शुरुआत अटलांटा में नेशनल राइफल एसोसिएशन की सालाना समिट से मानी जा रही है। यहां एलेक्सिस ने 'द स्टार स्पैंगल्ड बैनर' गाया था। उनकी सुरक्षा के लिए FBI के लोकल फील्ड ऑफिस से SWAT टीम के दो स्पेशल कमांडो भेजे थे, जो आमतौर पर हाई रिस्क ऑपरेशन करते हैं। जॉर्जिया वर्ल्ड कांग्रेस सेंटर को सुरक्षित देखकर SWAT टीम कार्यक्रम खत्म होने से पहले वापस लौट गई। रिपोर्ट के मुताबिक यह बात एलेक्सिस और पटेल दोनों ने नोटिस की। इसके बाद पटेल ने टीम कमांडर को फटकार लगाई और पूछा कि सुरक्षा बिना वजह क्यों हटाई गई। पटेल को चिंता थी कि एलेक्सिस, जो एक हाई-प्रोफाइल कंजरवेटिव शख्सियत मानी जाती हैं, को ऑनलाइन धमकियां मिली हैं, और कहीं उन्हें कोई नुकसान न पहुंचा दे। अधिकारियों का कहना है कि SWAT टीमों का काम सामान्य हालात में VIP की सिक्योरिटी नहीं होता, लेकिन नैशविल, साल्ट लेक सिटी और लास वेगास में भी एलेक्सिस की सुरक्षा के लिए ऐसी ही टीमें तैनात की गईं।

दिल्ली में गलत रनवे पर उतरा अफगानिस्तान का प्लेन

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां अफगानिस्तान का एक विमान उड़ान भरने वाले रनवे पर उतर गया। गनीमत रही कि इस रनवे पर कोई दूसरा विमान नहीं था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। घटना रविवार दोपहर 12:06 बजे की है, लेकिन सोमवार सुबह मीडिया में आई। अफगानिस्तान की एरियाना एयरलाइंस की यह फ्लाइट FG 311 काबूल से आ रहा था। सूत्रों के मुताबिक, विमान को रनवे 29 Left (29L) पर लैंडिंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन पायलट ने गलती से इसे रनवे 29 Right (29R) पर उतार दिया। यह रनवे आमतौर पर टेकऑफ के लिए इस्तेमाल होता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस समय रनवे 29R पर कोई विमान टेकऑफ के लिए मौजूद नहीं था, वरना गंभीर हादसा हो सकता था। एविएशन अथॉरिटीज ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान के एविएशन अधिकारियों को इस गंभीर गलती को लेकर रिपोर्ट भेजी जाएगी। दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने विमान के गलत रनवे पर उतरने की घटना को 'मिरेकल एस्केप' बताया है। यानी, जब बहुत बड़ा हादसा होने की संभावना हो, लेकिन किसी संयोग या किस्मत से वह टल जाए।

श्रीनगर में सीजन का सबसे ठंडा दिन, पारा -3.2° पहुंचा

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई है। रविवार को पूरी कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज किया गया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस सीजन की अब तक की सबसे कम था। दक्षिण कश्मीर का शोपियां सबसे ठंडा रहा, जहां पारा -5.1 डिग्री तक गिर गया। दूसरी तरफ, उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में रविवार को पारा माइनस 16°C पहुंच गया। इंद्र धारा झरने का पानी जम गया। ठंडी हवाओं के चलते तापमान में गिरावट हुई है। वहीं राज्य के मैदानी इलाकों में कोहरा छाने लगा है। इधर मध्य प्रदेश और राजस्थान में लोगों को सर्दी से राहत मिली है। दोनों राज्यों के ज्यादातर शहरों में रविवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने MP-राजस्थान में अगले चार से पांच दिनों तक शीतलहर का अलर्ट जारी नहीं किया है। उधर हरियाणा में रविवार को हिसार सबसे ठंडा रहा, यहां 7.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। यहां रात का पारा सामान्य से 3.4 डिग्री तक नीचे आ गया है। राज्य में 11 शहरों का तापमान 10 डिग्री से कम दर्ज किया गया है।

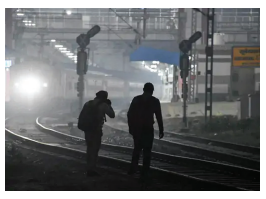

अहमदाबाद में तीसरी मंजिल से कूदी महिला

अहमदाबाद। गुजरात में अहमदाबाद के चांदखेड़ा में दो दिन पहले एक महिला ने अपने फ्लैट की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली था। अब इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। पुलिस जांच में अब तक सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल सका है। महिला के घर से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। लव मैरिज की थी, 2 साल का बेटा भी पुलिस जांच में पता चला है कि मृतक मैत्री श्रीमाली ने तीन साल पहले लव मैरिज की थी। कुछ समय पहले श्रीमाली की पति से अनबन हुई थी। जिससे वह मायके जाकर रहने लगी थी। लेकिन, कुछ महीनों के बाद वापस आ गई थी। दंपती का का एक 2 साल का बेटा भी है। गिरते ही हो गई थी मौत सुसाइड की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में देखा जा सकता है कि घटना वाली जगह ही एक महिला सफाईकर्मी कचरा निकाल रही थी। इसी बीच उसके पीछे श्रीमाली गिरती है। श्रीमाली को बालकनी से छलांग लगाते एक बुजुर्ग महिला ने देख लिया था। वह श्रीमाली को बचाने भी दौड़ती है। पड़ोसी श्रीमाली को तुरंत हॉस्पिटल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घर से नहीं मिला कोई सुसाइड नोट मामला दर्ज पुलिस ने फ्लैट की तलाशी ली, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पड़ोसियों ने बताया कि परिवार में कोई आर्थिक परेशानी भी नहीं थी। पुलिस की जांच में अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

उत्तराखंड में श्रद्धालुओं से भरी बस खाई में गिरी, 5 की मौत

एजेंसी, टिहरी

उत्तराखंड के टिहरी में श्रद्धालुओं से भरी बस 70 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। टिहरी के SP आयुष अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुए इस हादसे में गुजरात, हरियाणा, बिहार, उत्तरप्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और दिल्ली के 13 लोग घायल हैं, जिसमें से 6 की हालत नाजुक है। बस ऋषिकेश के दयानंद आश्रम से 29 लोगों को कुंजापुरी मंदिर लेकर गई थी, यहीं से लौटते वक्त कुंजापुरी–हिंडोलाखाल के पास अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए और ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया। नरेंद्रनगर थाने के दरोगा संजय ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे के बाद बस (UK14PA1769) के अंदर से शवों को बाहर निकाला गया। बुरी तरह घायल हुए 6 लोगों को ऋषिकेश स्थित AIIMS में भर्ती करवा गया है जबकि 7 लोगों को नरेंद्रनगर के श्री देव सुमन अस्पताल में भेजा गया है। 5 मृतकों में 4 महिलाएं और 1 युवक शामिल है।

मृतकों में दिल्ली, गुजरात और उत्तरप्रदेश के लोग शामिलः इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें दिल्ली की अनीता चौहान, गुजरात के पार्थसाथी मधुसूदन जोशी, महाराष्ट्र की नमिता प्रभोध, बैंगलुरु के अनुज वेंकटरमन और सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के आशु त्यागी शामिल हैं। सभी यात्रियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी।

♦ गुजरात-हरियाणा समेत 7 राज्यों के 13 लोग घायल

घायलों में सबसे ज्यादा गुजरात के लोगः घायलों में दिल्ली के 69 वर्षीय नरेश चौहान शामिल हैं, जबकि हरियाणा अंबाला से 50 वर्षीय दीक्षा घायल हुई हैं। गुजरात से सबसे अधिक लोग घायल हैं, जिनमें 63 वर्षीय बालकृष्ण, 60 वर्षीय चैतन्य जोशी, 71 वर्षीय प्रशांत ध्रुव, 70 वर्षीय प्रतिभा ध्रुव शामिल हैं। महाराष्ट्र, मुंबई से 52 वर्षीय अर्चिता गोयल, शिवकुमार शाह और 55 वर्षीय माधुरी घायल हुए। उत्तराखंड से 60 वर्षीय शंभू सिंह, उत्तर प्रदेश वाराणसी से 50 वर्षीय राकेश और पंजाब से 49 वर्षीय दीपशिखा भी इस दुर्घटना में घायल हैं।

पाकिस्तान बोला- राजनाथ का बयान भड़काऊ

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के सिंध प्रांत का जिक्र किया था। पाकिस्तान ने बयान जारी कहा कि यह बयान गलत, भड़काऊ और खतरनाक है। पाकिस्तान ने कहा कि ऐसे बयान अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की तय सीमाओं के खिलाफ हैं। पाकिस्तान ने मांग की कि भारत के नेता इस तरह के बयान से बचें, क्योंकि इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।

दरअसल राजनाथ सिंह ने कल दिल्ली में कहा था कि आज सिंध की जमीन भारत का हिस्सा भले न हो, लेकिन सभ्यता के हिसाब से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। जहां तक जमीन की बात है। कब बॉर्डर बदल जाए कौन जानता है, कल सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए। पाकिस्तान ने भारत के अंदरूनी मामलों पर बयानबाजी करते हुए कहा कि भारत को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान ने फिर से कहा कि इस मसले को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छा के मुताबिक हल किया जाना चाहिए। पाकिस्तान का कहना है कि वह भारत के साथ सभी मुद्दों को शांति से सुलझाना चाहता है, लेकिन साथ ही अपने देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमेशा तैयार है। जेय सिंध मुत्तहिदा महाज (JSMM) के नेता शफी बुरफत ने राजनाथ सिंह के बयान का गर्मजोशी से स्वागत किया है। उन्होंने लिखा कि यह बयान सिंधी लोगों के लिए ऐतिहासिक, हौसला देने वाला और प्रेरणादायक है। उनके मुताबिक यह बयान सिंध की आजादी और भारत के साथ भविष्य में मजबूत संबंधों की उम्मीद जगाता है।

❐ भारतीय रक्षा मंत्री ने कहा था- आज सिंध भारत से अलग, हो सकता है कल वापस आ जाए

इजराइल में 9 टॉप अफसर सेना से बर्खास्त

एजेंसी, तेल अवीव

इजराइल में 9 टॉप सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्स (IDF) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जामिर ने कहा कि ये अधिकारी हमास के हमले को रोकने में नाकाम रहे थे। 7 अक्टूबर 2023 को हुए इस हमले में 1200 से ज्यादा इजराइली लोगों की मौत हुई थी। इजराइल में हमास हमले को लेकर हुई सुरक्षा चूक और उसकी निष्पक्ष जांच को लेकर रविवार को प्रदर्शन हुए। इसमें कम से कम 5 लाख लोग शामिल हुए। इसके बाद से सरकार पर इन अधिकारियों को बर्खास्त करने का दबाव बढ़ गया था। IDF चीफ जामिर ने रविवार को इन अफसरों को मीटिंग के लिए बुलाया और उनकी बर्खास्तगी का फैसला सुनाया। इस दौरान कई अफसरों को फटकार भी लगाई गई।

जामिर ने कहा कि वे एक्सपर्ट की जांच रिपोर्ट के आधार पर कमांडरों के खिलाफ फैसले भी लेंगे।

हालांकि बर्खास्त किए गए ज्यादातर अधिकारियों ने पहले ही सेना छोड़ दी है। जिन अधिकारियों को फटकार लगी है, वे अपनी मौजूदा पोस्ट पर अपना कार्यकाल पूरा होने तक काम करते रहेंगे। अपने फैसले के बाद IDF चीफ ने बयान जारी कर कहा- ऐसे फैसले लेना आसान नहीं है, क्योंकि ये उन लोगों को प्रभावित करते हैं जिन्हें मैं बहुत मानता हूं और जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी देश की सुरक्षा में लगा दी।

पाकिस्तानी सेना पर दो सुसाइड अटैक, हेडक्वार्टर में घुस गए हमलावर, 3 कमांडो को मार गिराया

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार सुबह फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी (FC) मुख्यालय पर हुए दो आत्मघाती हमले में 6 लोग मारे गए, जिनमें 3 कमांडो और 3 हमलावर शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों ने गोलियों और आत्मघाती हमलों के जरिए इस दफ्तर को निशाना बनाया, जिसके बाद बड़े स्तर पर सिक्योरिटी ऑपरेशन चलाया। हमला सुबह करीब 8 बजे शुरू हुआ। पुलिस ने बताया कि पैरामिलिट्री इमारत के मुख्य गेट पर दो धमाके हुए। इसके तुरंत बाद हथियारबंद हमलावर अंदर घुस गए और सुरक्षा कर्मियों से उनकी मुठभेड़ हुई। FC कमांडो और पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में कैंपस के अंदर तीन हमलावरों को मार गिराया।

पहले हमले का फायदा उठाकर कैंपस में घुसा दूसरा हमलावरः सूत्रों ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि हमले में कम से कम दो आत्मघाती हमलावर शामिल थे। पुलिस के मुताबिक तीन FC जवान मुख्य गेट पर हुए धमाके में मारे गए, जबकि हमलावर अंदर हुई गोलीबारी में ढेर हुए। पेशावर के कैपिटल सिटी पुलिस ऑफिसर डॉ. मियां सईद ने बताया कि पूरे इलाके को सील कर दिया गया है और यह तय करने के लिए तलाशी अभियान चल रहा है कि कहीं कोई और खतरा बाकी न हो। एक सीनियर अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि पहले हमलावर ने मेन गेट पर हमला किया, जिसका फायदा उठाकर दूसरा हमलावर कैंपस के अंदर घुसने में कामयाब रहा। फिलहाल सेना और पुलिस ने पूरे इलाके की नाकेबंदी कर रखी है। उन्हें शक है कि मुख्यालय के अंदर अभी भी कुछ आतंकवादी छिपे हो सकते हैं।

पाकिस्तान ने हमले के लिए TTP को जिम्मेदार बतायाः पाकिस्तान फौज ने आरोप लगाया है कि इस हमले के पीछे भारतीय प्रॉक्सी फितना-उल-खवारिज जिम्मेदार है। यह शब्द पाकिस्तान तालिबान TTP के लड़ाकों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। FC पाकिस्तान की एक सिविल मिलिट्री फोर्स है, जिसका मुख्यालय एक भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित है और सैन्य कैंटोनमेंट के करीब है।

एक अधिकारी ने मीडिया से कहा कि सेना और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हालात को संभाल रहे हैं, क्योंकि हमें शक है कि हेडक्वार्टर के अंदर कुछ हमलावर हैं। हमले के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए, जिनमें दावा किया गया कि FC चौक मुख्य सदर में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। पाकिस्तान में हाल के महीनों में, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। सितंबर में भी खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में FC मुख्यालय पर हमले की कोशिश हुई थी, जिसमें छह सैनिक मारे गए थे और पांच हमलावरों की मौत हुई थी।

❐ जवाबी एक्शन में 3 हमलावर मारे गए, टीटीपी पर आरोप

इंडिया गेट पर नक्सली हिड़मा के पोस्टर लहराए गए, लाल सलाम और अमर रहे के नारे लगे

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में इंडिया गेट पर रविवार देर शाम वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल लोगों ने देश के मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44) के पोस्टर लहराए। पोस्टरों में हिड़मा की तुलना आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा से की गई। हिड़मा को जल, जंगल और जमीन का रखवाला बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने "माड़वी हिड़मा अमर रहे" जैसे नारे लगाए। उन्होंने पोस्टरों पर भी "माड़वी हिड़मा को लाल सलाम" जैसे नारे लिखे थे। एक प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था "बिरसा मुंडा से लेकर माड़वी हिड़मा तक, हमारे जंगलों और पर्यावरण का संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान भीड़ की पुलिस से हाथापाई भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मिर्च स्प्रे कर दिया, जिससे तीन-चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को दो थानों में FIR दर्ज की हैं। अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि नक्सली हिड़मा एक करोड़ का इनामी नक्सली था। सुरक्षाबलों ने 18 नवंबर को आंध्र प्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में हिड़मा को एनकाउंटर में मार गिराया था। वह ढाई दशक से छत्तीसगढ़ के बस्तर में एक्टिव था। वह 26 बड़े हमलों का मास्टरमाइंड था।

डिप्टी कमिश्नर बोले- प्रदर्शनकारियों ने पहली बार मिर्च स्प्रे कियाः दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, रविवार को प्रदर्शनकारी सी-हेक्सागॉन के पास इकट्ठा हुए थे। उनके प्रदर्शन से एम्बुलेंस और मेडिकल कर्मियों को वहां से गुजरने में दिक्कत आ रही थी। पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश की तो स्थिति हाथापाई में बदल गई। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर काली मिर्च स्प्रे छिड़क दिया। नई दिल्ली के डिप्टी कमिश्नर देवेश कुमार महला ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि पहली बार प्रदर्शनकारियों ने यातायात और कानून-व्यवस्था संभाल रहे अधिकारियों पर मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया।

♦ दिल्ली प्रदूषण के खिलाफ था प्रदर्शन, 22 गिरफ्तार

घायल पुलिसकर्मियों क आरएमएल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शाह की डेडलाइन से 12 दिन पहले मारा गया था हिड़माः माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मरेडमिल्ली जंगल में एनकाउंटर में मारा गया था। उसके साथ उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों को भी ढेर कर दिया गया। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित मरेडमिल्ली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसी ऑपरेशन में हिड़मा डेडलाइन से 12 दिन पहले ही मारा गया। हिड़मा 2010 दंतेवाड़ा हमले में शामिल था, जिसमें 76 CRPF जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा 2013 में झीरम घाटी हमले, 2021 सुकमा-बीजापुर हमले में भी हिड़मा की भूमिका थी।

भारतीय नौसेना में स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे शामिल

एजेंसी, मुंबई

स्वदेशी युद्धपोत INS माहे सोमवार को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया। यह माहे-क्लास का पहला पनडुब्बी रोधी (एंटी सबमरीन) और उथले पानी (जहां पानी की गहराई कम हो) में चलने वाला युद्धपोत है, जो तटीय इलाकों के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। मुंबई में हुए समारोह में आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे। द्विवेदी ने तीनों सेनाओं की संयुक्त ताकत पर जोर दिया। उन्होंने कहा- सशस्त्र बलों की सबसे बड़ी शक्ति सिनर्जी है। ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह जहाज उथले पानी में ऑपरेशन, तटीय इलाकों में गश्त, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और दुश्मन पनडुब्बियों की तलाश जैसे कामों में बड़ी भूमिका निभाएगा। ये काम बिना शोर के करने की काबिलियत के चलते इसे 'साइलेंट हंटर' नाम दिया गया है। INS माहे को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) ने तैयार किया है, जो नौसेना की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का एक मजबूत कदम माना जा रहा है। नौसेना ने इसे "नए दौर का तेज, फुर्तीला और आधुनिक भारतीय युद्धपोत" कहा है। INS माहे भारतीय नौसेना की नई पीढ़ी का युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए तैयार किया गया है। यह शैलो वॉटर यानी कम गहराई वाले समुद्री क्षेत्रों में भी उच्च सटीकता (हाई-प्रिसिजन) के साथ ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसका 80 प्रतिशत हिस्सा भारत में ही बना है। यह एक मल्टी-रोल वॉरशिप है, जो कोस्टल डिफेंस, अंडरवॉटर सर्विलांस और सर्च-एंड-रेस्क्यू जैसे कई महत्वपूर्ण मिशन में तैनात किया जा सकता है।

तमिलनाडु में 2 बसों की आमने-सामने टक्कर, 6 की मौत

एजेंसी, तेनकासी

तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सोमवार को दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 यात्री घायल हो गए हैं। मरने वालों में 5 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस और तेनकासी से कोविलपट्टी जा रही बस में सोमवार सुबह 11 बजे टकरा गईं। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि गलती ड्राइवर की थी। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस का ड्राइवर लापरवाही और तेज स्पीड में गाड़ी चला रहा था। घायल यात्रियों का नजदीकी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

30 यात्री घायल, पुलिस बोली- ड्राइवर की गलती से हादसा

25 एम्बुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचायाः बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। कटर की मदद से बस के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर यात्रियों को बाहर निकालना पड़ा। इसके बाद उन्हें अस्पताल में इलाज के लिए 25 से ज्यादा एम्बुलेंस बुलाई गईं। जब हादसा हुआ तब दोनों बसों में कम से कम 55 लोग सवार थे।

अहमदाबाद में 925 अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, एक हजार से ज्यादा लोग हुए बेघर

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में चंडोला झील के बाद एक और मेगा डिमोलिशन की कार्रवाई हो रही है। शहर के पूर्वी इलाके में स्थित इसनपुर तालाब के आसपास का बने मकान-दुकान ढहाए जा रहे हैं। सोमवार सुबह से शुरू हुई अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई चार चरणों में होगी। इसके तहत तालाब किनारे के 925 अवैध मकान-दुकान ढहाई जाएंगी। इन मकानों में 1 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच 20 जेसीबी मशीनों और 500 नगर निगम कर्मचारियों व मजदूरों की टीम लगाई गई है। हालांकि, लोगों का कहना है कि उनके रहने की व्यवस्था किए बिना ही यह कार्रवाई की जा रही है, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए हैं। तालाब के बड़े हिस्से पर भी कर लिया था निर्माण इसनपुर अहमदाबाद की तीसरा सबसे बड़ी झील है। लोगों ने बांस-बल्लियों से तालाब के बड़े हिस्से पर भी निर्माण कर लिया था। नगर निगम ने मानसून से पहले यहां रहने वालों को नोटिस भेजे थे। लेकिन, नवरात्रि, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के चलते तोड़फोड़ न कर लोगों को और वक्त दे दिया गया था। इससे पहले यह कार्रवाई 20 नवंबर को होनी थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने और चार दिन का वक्त मांगा था। इसी के चलते कार्रवाई आज सुबह से शुरू हुई। हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज अतिक्रमण के खिलाफ स्थानीय लोगों ने गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। लेकिन हाई कोर्ट ने यह कहकर याचिका खारिज कर दी थी कि शहर के जलाशय के पास अतिक्रमण को सही नहीं ठहराया जा सकता। इसके बाद ही प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की तैयारी शुरू कर दी थी। स्थानीय यहां रहने वाली महिलाओं ने बताया कि उनके परिवार 50 सालों से यहां रह रहे हैं। नगर निगम ने मकान तोड़ने से पहले लोगों से नए मकान देने का वादा किया था। लेकिन, अब तक किसी को मकान नहीं मिले हैं। निगम के अधिकारियों ने बिना घर दिए ही उनसे फॉर्म भरवा लिए। अब ये लोग बेघर हो गए हैं।

❐ लोगों ने तालाब पर भी कर लिया था निर्माण

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com